श्रावण कृष्ण पक्ष-10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 34 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

08 अगस्त 2026 शनिवार

आज का मौसम

30.2 अधिकतम

24.3 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

फाजिल्का बॉर्डर: पाक की साजिश नाकाम, ड्रोन, पिस्टल बरामद

फाजिल्का। भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए हथियार भेजने की कोशिश का एक और मामला सामने आया है। पंजाब के फाजिल्का जिले में टाहलीवाला गांव के पास भारतीय सीमा में घुसे एक ड्रोन को BSF और पंजाब पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बरामद किया कर लिया गया है। इस ड्रोन के साथ हथियारों की खेप भी मिली है। जानकारी के अनुसार, बीएसएफ को इलाके में एक ड्रोन की सूचना मिली। स्थानीय पुलिस से इसकी सूचना शेयर की गई।

रेल फाटक पर फंसा मिनी ट्रक, थमा रेल यातायात, कुछ ट्रेनें हुईं लेट

जबलपुर। जबलपुर-कटनी रेलखंड पर आधारताल-देवरी के बीच एक रेल फाटक पर मिनी ट्रक के अचानक फंस जाने से रेल यातायात प्रभावित हो गया। ट्रक का एक्सल टूटने के कारण वह फाटक के बीचोंबीच अटक गया, जिससे सुरक्षा कारणों से रेल परिचालन तत्काल नियंत्रित करना पड़ा।घटना समपार फाटक क्रमांक 323 पर हुई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन हरकत में आया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों के सहयोग से करीब 20 मिनट के भीतर ट्रक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

हनीट्रैप में फंसा IAF का विंग कमांडर जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। इंडियन एयर फ़ोर्स के विंग कमांडर को दिल्ली पुलिस ने डिफेंस से जुड़ी सेंसिटिव जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। हनीट्रैप में फंसे इस अधिकारी पर कई गोपनीय जानकारी लीक करने का आरोप है। पुलिस ने ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल वायुसेना का विंग कमांटर ज्यूडिशियल कस्टडी में है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, यह मामला एक बड़े जासूसी नेटवर्क की ओर इशारा करता है जिसका मकसद स्ट्रेटेजिक मिलिट्री इंटेलिजेंस इकट्ठा करना था।

दीक्षांत समारोह में हंगामा, राज्यपाल ने बीच में ही छोड़ दिया कार्यक्रम

पटना। पटना विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह शनिवार को पटना वीमेंस कॉलेज के मदर वेरोनिका ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान मंच पर बुलाकर डिग्री दिए जाने की मांग कर रहे छात्रों ने हंगामा कर दिया। इस कारण राज्यपाल अपना संबोधन किए बिना, बीच में ही कार्यक्रम छोड़कर चले गए। मंच पर केवल गोल्ड मेडल और पीएचडी डिग्री धारी छात्रों को ही डिग्री प्रदान की गई। समारोह में पीजी सत्र 2023-25 के टॉपर 38 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान दिया गया। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वालों में 28 छात्राएं और 10 छात्र शामिल हैं। इनके अलावा 155 पीएचडी डिग्री होल्डर्स सहित कुल 1305 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इस समारोह में राज्यपाल सह कुलाधिपति सैय्यद अता हसनैन मुख्य अतिथि रूप में मौजूद रहे।

आज का कार्टून

बड़े सपने - नई जिम्मेदारी ... IIT दिल्ली के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए प्रधानमंत्री, बोले-

सवालों के समाधान तलाशिए, अगले 20 साल आपके काम ही विकसित भारत का आधार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में देश के युवा इंजीनियरों और शोधार्थियों से कहा कि वे संस्थान से केवल डिग्री लेकर नहीं, बल्कि बड़े सपने और नई जिम्मेदारियां लेकर निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया, तकनीक और उद्योग जिस तेजी से बदल रहे हैं, उसमें अगले 20-30 साल कैसे होंगे, यह कोई नहीं जानता। ऐसे दौर में वही युवा आगे बढ़ेगा, जो लगातार सीखता रहेगा, नई परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालेगा और समस्याओं के नए समाधान खोजेगा।

मोदी ने कहा कि IIT से निकलने के बाद छात्रों के जीवन की नई यात्रा शुरू हो रही है। यहां बिताए वर्षों की यादें, दोस्त, शिक्षक, हॉस्टल और संस्थान से मिले संस्कार उनके साथ रहेंगे। उन्होंने छात्रों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन उपलब्धि का ही नहीं, नई जिम्मेदारियों की शुरुआत का भी दिन है। दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं और मेडल से सम्मानित किया।

समारोह में 3,000 से अधिक छात्र शामिल हुए, जिनमें 587 पीएचडी शोधार्थी भी हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने IIT दिल्ली के सोनीपत कैंपस में स्थापित AI आधारित हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटर 'परम प्रज्ञा' का रिमोट से उद्घाटन किया। यह प्रणाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, एडवांस्ड कंप्यूटिंग और अत्याधुनिक शोध के लिए उच्च गति से जटिल गणनाएं करने में सक्षम होगी।

सोनीपत कैंपस में AI सुपर कंप्यूटर 'परम प्रज्ञा' का उद्घाटन

सबसे बड़ी सीख: सीखना कभी बंद न करें

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में तकनीकी बदलाव की रफ्तार को युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती और अवसर के रूप में रखा। उनका संदेश था कि आज हासिल की गई विशेषज्ञता पूरी जिंदगी के लिए पर्याप्त नहीं होगी। नई तकनीकें लगातार पुराने काम करने के तरीके बदलेंगी, इसलिए युवाओं को अपस्किलिंग और निरंतर सीखने की आदत विकसित करनी होगी। उन्होंने युवाओं से केवल नौकरी तलाशने वाले पेशेवर बनने के बजाय समस्याओं का समाधान खोजने और अपनी तकनीकी क्षमता को समाज की जरूरतों से जोड़ने का आह्वान किया। IIT की शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य भी यही है कि यहां से निकले युवा तकनीक को प्रयोगशाला से बाहर निकालकर आम लोगों के जीवन में बदलाव का माध्यम बनाएं।

सुपर कंप्यूटर से बढ़ेगी शोध की ताकत

'परम प्रज्ञा' के उद्घाटन के साथ भारत के राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग ढांचे को भी मजबूती मिली है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार नेशनल सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत देश में अब तक 37 सुपरकंप्यूटर स्थापित किए जा चुके हैं और ये सभी चालू हैं। इन्हें IIT, IISc, NIT, C-DAC, IISER और अन्य प्रमुख शोध संस्थानों में लगाया गया है। परम सिद्धि, परम प्रवेग, परम शक्ति, परम संगणक, परम सेवा, परम रुद्र, परम ब्रह्मा, परम युक्ति और परम शिवाय इस श्रृंखला के प्रमुख सुपरकंप्यूटरों में शामिल हैं। इनका इस्तेमाल वैज्ञानिक अनुसंधान, मौसम और जलवायु अध्ययन, दवा अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा विश्लेषण और अन्य जटिल वैज्ञानिक गणनाओं में किया जा रहा है।

विदिशा स्टॉप डैम मामला मानवाधिकार आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

विदिशा। विदिशा में बेतवा नदी पर स्थित स्टॉप डैम के खंभों से छलांग लगाकर बच्चों के स्कूल पहुंचने के मामले का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट भी जवाब मांग चुका है। उसने भी निरीक्षण कराकर इस मामले में रिपोर्ट तलब की थी और अधिकारियों को तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

कोयला घोटाले से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहे दो जज हटाए गए

नई दिल्ली। दिल्ली में कोयला घोटाला के मामलों की सुनवाई के लिए विशेष रूप से नियुक्त सत्र न्यायाधीश को मात्र छह महीने बाद सुप्रीम कोर्ट ने हटा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के असामान्य अनुरोध पर उठाया है, जिसमें कहा गया था कि वह और एक अन्य विशेष सीबीआई न्यायाधीश किसी अन्य जिम्मेदारियों के लिए अधिक उपयुक्त हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची और वी. मोहना की पीठ ने आदेश में दर्ज किया कि दिल्ली हाई कोर्ट ने विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा और धीरज मोर के तबादले की मांग की थी, ताकि उन्हें अन्य जिम्मेदारियां सौंपी जा सकें।

झारखंड छात्र आंदोलन: चार मंत्रियों के साथ छात्र प्रतिनिधिमंडल की वार्ता शुरू

रांची , एजेंसी

झारखंड में 14वीं जेपीएससी और सीजीएल परीक्षा रद्द करने के साथ पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर पिछले 15 दिनों से छात्रों का आंदोलन जारी है। छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में सत्याग्रह कर रहे हैं। इसी क्रम में आज सरकार और छात्र प्रतिनिधिमंडल के बीच दूसरे दौर की वार्ता शुरू हो गई है। रांची के स्टेट गेस्ट हाउस में चल रही इस बैठक में सरकार की ओर से चार मंत्री छात्र प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

इससे पहले शुक्रवार को भी सरकार और छात्रों के प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता हुई थी, लेकिन छात्रों की प्रमुख मांगों पर सहमति नहीं बन सकी थी। इसके बाद आज दूसरे दौर की वार्ता आयोजित की गई है। अब सभी की नजर इस

बात पर है कि सरकार छात्रों की मांगों को लेकर क्या निर्णय लेती है और क्या आंदोलन को समाप्त कराने के लिए कोई ठोस सहमति बन पाती है। बैठक कितनी देर चलेगी और सरकार छात्रों की मांगों पर कितनी सहमति जताती है, इसका फैसला वार्ता खत्म होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

चंबा में 100 फीट नीचे गिरी बस, 8 की मौत

चंबा। जिला चंबा के उपमंडल चुराह के तहत बैरागढ़-चंबा मार्ग पर सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया। बैरागढ़ से चंबा की ओर आ रही शर्मा ट्रैवलर्स की निजी बस देवीकोठी के समीप चालुज मोड़ पर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गुजरती दूसरी सड़क पर जा गिरी।

जानकारी के अनुसार, इस भीषण सड़क दुर्घटना में बस के ड्राइवर और कंडक्टर समेत आठ लोगों की मौत हो गई है। वहीं, हादसे में घायल करीब सात लोगों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। शर्मा ट्रैवलर्स की यह बस सुबह करीब 6.30 बजे बैरागढ़ से चंबा के लिए रवाना हुई थी। चालुज मोड़ के पास अचानक चालक बस पर से संतुलन खो बैठा और बस नीचे की ओर गिर गई।

भारी बारिश... दिल्ली-एनसीआर में लगा जाम, बिहार के बगहा में 300 घर डूबे

अमरनाथ यात्रा रुकी, दिल्ली आज भी अलर्ट पर

नई दिल्ली/देहरादून, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण आज जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर से रोक दी गई। 11 अगस्त तक जम्मू क्षेत्र में तेज बारिश-बाढ़ और लैंडस्लाइड की आशंका है।

मौसम विभाग ने आज भी दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगस्त के पहले सप्ताह में दिल्ली में अब तक 127 मिमी बारिश हो चुकी है, जो 2011 के बाद सबसे ज्यादा बारिश है। नेपाल में हो रही बारिश से बिहार के मुजफ्फरपुर में बागमती नदी उफान पर है। बगहा में गंडक नदी का पानी 300 घरों में घुस गया है। लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया जा रहा है। यूपी में 25 दिनों से जारी भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट डूब गए हैं और 84 घाटों का संपर्क टूट गया है। 50-60 छोटे मंदिरों में भी पानी घुस गया है। आगरा में सड़क धंसने से 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

सड़कों पर 4 फीट पानी, थमी रफ्तार

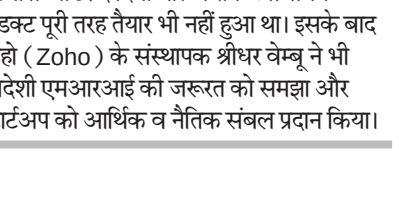

राजधानी दिल्ली में तेज बारिश हुई। दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाले हाईवे समेत कई प्रमुख सड़कों पर चार फीट तक पानी भर गया। इससे गाड़ियां बीच रास्ते में फंस गईं। कई इलाकों में लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

मेट्रो एंकर | बेंगलुरु के स्टार्टअप की सफलता, 70 फीसदी तक कम हो सकेगा स्कैनिंग का खर्च

विदेशी मदद ठुकराई, टाटा-वेम्बू की मदद से बनी पहली स्वदेशी MRI मशीन

बंगलूरू, एजेंसी

चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य तकनीक के क्षेत्र में भारत ने एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। देश की निर्भरता को विदेशी कंपनियों पर से खत्म करते हुए बंगलूरू आधारित हेल्थ-टेक स्टार्टअप 'वॉक्सेलग्रिड्स' (Voxelgrids) ने पूरी तरह से भारतीय तकनीक पर आधारित देश की पहली स्वदेशी MRI (एमआरआई) मशीन तैयार कर ली है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि भारत हर साल मेडिकल डायग्नोस्टिक उपकरणों के आयात पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करता है। स्वदेशी तकनीक से बनी यह मशीन न केवल विदेशी मशीनों की तुलना में 40 फीसदी सस्ती है, बल्कि इससे मरीजों के लिए एमआरआई स्कैन का खर्च भी लगभग 70 फीसदी तक कम हो जाएगा।

इस क्रांतिकारी बदलाव के मुख्य सूत्रधार हैं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर अर्जुन अरुणाचलम। अमेरिका की प्रतिष्ठित विस्कॉन्सिन-मैडिसन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने और 'GE हेल्थकेयर' के रिसर्च सेंटर में अनुभव हासिल करने के बाद वे भारत लौटे। जब उन्होंने IIT बॉम्बे में पढ़ाना शुरू किया, तो पाया कि भारतीय शोध संस्थानों के पास खुद की एमआरआई मशीनें तक नहीं हैं और विदेशी दिग्गज कंपनियां भारतीय बाजार व संस्थानों को गंभीरता से नहीं लेतीं। यहीं से अर्जुन के मन में एक स्वदेशी एमआरआई मशीन विकसित करने का संकल्प जन्मा।

रास्ता आसान नहीं था। कोविड महामारी के दौरान 'वॉक्सेलग्रिड्स' बेहद गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रहा था और कंपनी बंद होने की कगार पर थी। उस कठिन समय में एक बड़ी विदेशी कंपनी ने पार्टनरशिप का प्रस्ताव दिया। लेकिन, इस डर से कि विदेशी दिग्गज अक्सर छोटे भारतीय स्टार्टअप्स की तकनीक को दबा देते हैं, अर्जुन ने यह विदेशी ऑफर ठुकरा दिया। वित्तीय तंगी के बीच भारत के दूरदर्शी उद्योगपतियों ने इस भारतीय प्रतिभा पर अपना विश्वास जताया। दिवंगत रतन टाटा ने साल 2015 में ही अर्जुन से मुलाकात के बाद स्टार्टअप को पहला एडवांस ऑर्डर दे दिया था। जबकि उस समय प्रोडक्ट पूरी तरह तैयार भी नहीं हुआ था। इसके बाद जोहो (Zoho) के संस्थापक श्रीधर वेम्बू ने भी स्वदेशी एमआरआई की जरूरत को समझा और स्टार्टअप को आर्थिक व नैतिक संबल प्रदान किया।

गांव और छोटे शहरों तक सस्ती जांच

भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई गई यह मशीन विदेशी मशीनों के मुकाबले 50 फीसदी लाइटवेट है और इसमें एक-तिहाई केबल का ही इस्तेमाल होता है। यह कम बिजली खपत करती है, जिससे इसे छोटे अस्पतालों में लगाना और मेंटेन करना काफी आसान होगा। अब तक जो जांच आम लोगों की पहुंच से बाहर मानी जाती थी, इस स्वदेशी पहल के बाद देश के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों के मरीजों को भी बेहद सस्ती दरों पर विश्वस्तरीय डायग्नोस्टिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

कोलार : एक शिक्षिका कैसे पढ़ाए, स्कूल में न पानी और न ही बिजली

5वीं तक की कक्षा...70 विद्यार्थी और एक ही शिक्षक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के कोलार मे शासकीय विद्यालय की हालत खस्ताहाल है। यहां न तो बिजली है और न ही पानी की सुविधाएं। हैरत यह है कि 70 बच्चों को पढ़ाने के लिए एक ही शिक्षिका है। बच्चे अव्यवस्थाओं के बीच पढ़ने को विवश हैं।

दरअसल, कोलार में शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, ओम नगर की हालत बदतर है। स्कूल की छत टिन शेड की बनी हुई है। बच्चे जमीन पर बैठने को विवश हैं। हद यह है कि यहां कक्षा तो पहली से 5वीं तक की संचालित की जा रही है। कुल 70 बच्चों को पढ़ाने के लिए एक ही शिक्षिका तैनात है। प्रिंसिपल तक नहीं हैं। ऐसे में अलग-अलग कक्षा के बच्चों को अलग-अलग विषयों की पढ़ाई कराना मुश्किलभरा साबित हो रहा है। शिक्षिका ज्योति बरमईया का कहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी से कई बार इस बारे में बात की गई है। लेकिन अभी सुविधाएं बहाल नहीं की गई है।

असामाजिक तत्वों की आवाजाही से डर का माहौल

कोलार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ के की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल इस स्कूल में पहुंचा तो पूरी स्थिति सामने आ गई। उन्होंने स्कूली बच्चों से भी बात की। सभी ने कहा, पीने के पानी तक की व्यवस्था नहीं है। बरसों से इस स्कूल मे बिजली भी नहीं है। ऐसे में कई बार स्कूल परिसर में असामाजिक तत्वों की भी आवाजाही होती है। इससे डर का माहौल बन जाता है।

पड़ोस से पानी मांग कर पी रहे

बताते हैं, स्कूल में पानी की व्यवस्था न होने से पड़ोस से पानी लेकर आना पड़ रहा है। शौचालय की हालत भी बदतर है। इससे बेटियों को ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल की टिन शेड छत बारिश और गर्मी दोनों ही मौसम में दिक्कत होती है। गर्मी में धूप में टिन तपता है और बारिश में रिसने लगता है। स्थानीय लोगों ने स्कूल के लिए बेंच और बिजली के साथ मौलिक सुविधाओं की मांग की है। सबसे बड़ा संकट विद्यार्थियों की पढ़ाई का भी है। एक ही शिक्षिका के अलग-अलग कक्षाओं में सभी विषयों की पढ़ाई करना भी मुश्किल है।

डॉक्टर ने पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ से 4.14 करोड़ रुपए के मेडिकल उपकरण के सौदे में धोखाधड़ी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ ने निजी मेडिकल उपकरण कंपनी पर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर से शिकायत भी है। शिकायत में कहा है कि कंपनी ने अत्याधुनिक तकनीक का दावा कर पुरानी लेजर मशीन उपलब्ध कराई। बाद में व्यावसायिक अनुबंध की शर्तों का भी पालन नहीं किया। मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी है। अरेरा कॉलोनी निवासी 70 वर्षीय डॉ. पीएस बिंद्रा माताश्री नेत्रालय का संचालन करते हैं। उन्होंने शिकायत में कहा है कि वर्ष 2018 में कंपनी के प्रतिनिधियों ने उन्हें नवीनतम एक्सीमर लेजर सिस्टम उपलब्ध कराने और भविष्य में इंट्रा आक्युलर लेंस खरीदने का प्रस्ताव दिया था। दोनो पक्षों के बीच लगभग 4.14 करोड़ रुपए का अनुबंध हुआ। लेजर सिस्टम के लिए डॉ. बिंद्रा ने चार चेकों के माध्यम से 1.81 करोड़ रुपये का भुगतान किया। अप्रैल 2018 में मशीन लगा दी गई। लेकिन बाद में पता चला कि जिस मशीन को अत्याधुनिक बताकर बेचा गया था, उसका निर्माण वर्ष 2015 में ही बंद हो चुका था।

कंपनी ने वादा तोड़ा

डॉ. बिंद्रा का आरोप है कि कंपनी ने अनुबंध के अनुरूप लेंस खरीदने का वादा भी पूरा नहीं किया। कानूनी नोटिस के बाद भी समाधान नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। अब क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रहा है।

मरीजों को लगानी पड़ रही हमीदिया और एम्स की दौड़

सरकारी अस्पतालों में 23 फीसदी डॉक्टरों के पद खाली, स्किन विशेषज्ञ तक नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था डॉक्टरों और विशेषज्ञों की कमी से जूझ रही है। जिला स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में 23 प्रतिशत डॉक्टरों के पद खाली हैं। चर्म रोग विशेषज्ञों की भी खासी कमी है। एक ओर जहां मेडिसिन के डॉक्टरों की कमी से मरीजों को परेशानी हो रही है, वहीं चर्म रोग विशेषज्ञ न होने से मरीजों को एम्स और हमीदिया अस्पताल की दौड़ लगानी पड़ रही है।आंकड़े बताते हैं कि हर साल 70 हजार से अधिक मरीज स्किन से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। एम्स और हमीदिया जैसे बड़े अस्पतालों में भी मरीजों की लंबी कतारें है। डॉक्टरों की कमी का सिर्फ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ही नहीं हैं। जेपी और कैलाशनाथ काटजू जैसे अस्पतालों में भी है। आलम यह है कि सर्जरी, नेत्र रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट और पैथोलॉजिस्ट तक की कमी है। इससे विविध प्रकार की जांच के लिए मरीजों को अस्पतालों की दौड़ लगानी पड़ रही है। कई तो निजी पैथोलॉजी में जांच कराने को विवश हैं। हालांकि सरकार विशेषज्ञों के पदों को भरने के दावे कर रही है।

डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए सरकार एनएचएम के जरिए वॉक इन इंटरव्यू के माध्यम से नियुक्ति कर रही है। 'यू कोट, वी पे' स्कीम के जरिए भी डॉक्टरों को अच्छी सैलरी पर तैनाती की जा रही है। इसके बाद भी अस्पतालों में विशेषज्ञों की कमी है।

जेपी अस्पताल में सबसे ज्यादा 17 पद खाली

राजधानी के प्रमुख जेपी अस्पताल में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हैं। यहां 17 विशेषज्ञों के पद खाली हैं। हालत यह है कि 1 डॉक्टर को अन्य सेवाएं भी देखनी पड़ रही है। इससे कई बार जरूरी जांच प्रभावित हो रही है। अस्पताल में मेडिसिन विशेषज्ञों के 4 पद खाली हैं। सर्जरी में 2, स्त्री रोग और नेत्र रोग में 1-1, अस्थी रोग में 2 पद खाली हैं। रेडियोलॉजिस्ट के 3, पैथोलॉजिस्ट के 1 और ईएनटी और स्किन के भी 1-1 विशेषज्ञों की कमी है।

ग्रामीण इलाकों में हालत और गंभीर

ग्रामीण इलाकों में लोगों को सेहतमंद बनाने की कवायद भी नाकाफी है। बैरासिया सिविल अस्पताल में 6 साल से मेडिसिन विशेषज्ञ नहीं हैं। सर्जरी, एनेस्थीसिया, अस्थि रोग, रेडियोलॉजी और पैथोलॉजी जैसे कई पद भी खाली हैं। इसका सीधा असर ग्रामीण मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें इलाज के लिए लंबी दूरी तय कर भोपाल के बड़े अस्पतालों में जाना पड़ता है। आपात स्थिति में यह देरी जानलेवा भी साबित हो सकती है।

महिलाएं-बच्चों के लिए भी सुविधा कम

कैलाशनाथ काटजू जच्चा-बच्चा अस्पताल में भी विशेषज्ञों की कमी है। यहां मेडिसिन विशेषज्ञ के दोनों पद खाली हैं। यह अस्पताल हाई रिस्क प्रेग्नेंसी और नवजात शिशुओं के इलाज के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी स्थिति में जटिल मामलों का इलाज प्रभावित हो सकता है और मरीजों को अन्य अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। अस्पताल में मेडिसिन, सर्जरी के 2-2 विशेषज्ञों की कमी है। स्त्री रोग के 3 और ऑपरेशन के दौरान सबसे अहम माने जाने वाले एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के 1 पद भी खाली हैं। एक रेडियोलॉजिस्ट और 5 मेडिकल ऑफिसर की कमी भी अस्पताल झेल रहा है।

पीएचसी की स्थिति

गोविंदपुरा और बैरागढ़ के अस्पतालों में भी कई विशेषज्ञ पद खाली हैं, जिससे सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति भी बेहतर नहीं है। कई जगह मेडिकल ऑफिसर तक की नियुक्ति नहीं हो सकी है, जबकि नए भवन तैयार हो चुके हैं।

टेंट कारोबारी से साइबर ठगी, गैस कनेक्शन अपडेट के नाम पर खाते से 50 हजार उड़ाए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में साइबर ठग अब सरकारी और घरेलू सेवाओं के नाम पर लोगों को निशाना बना रहे हैं। ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में गैस कनेक्शन का सत्यापन और अपडेट कराने का झांसा देकर टेंट कारोबारी से 50 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई। ठगों ने वाट्सएप पर फर्जी लिंक भेजकर पहले बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल की और फिर खाते से रकम निकाल ली। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया, तिरुपति धाम कालोनी, लांबाखेड़ा निवासी 42 वर्षीय राकेश सिंह पाल टेंट हाउस का व्यवसाय करते हैं। 31 जुलाई को वाट्सऐप पर घरेलू गैस कनेक्शन अपडेट करने का मैसेज आया। इसमें एक लिंक भी थी।

लिंक खोलते ही रुपए ट्रांसफर

लिंक खोलते ही उन्होंने मांगी गई व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी दे दी। गैस कनेक्शन अपडेट शुल्क जमा करने का विकल्प आया। पहले तो भुगतान करने का प्रयास फेल रहा, लेकिन कुछ ही देर में उनके बैंक खाते से 50 हजार रुपए अज्ञात खाते में ट्रांसफर हो गए। बाद में उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई

एलायंस एयर कंपनी ने जारी किया शेड्यूल

10 अगस्त से भोपाल से सीधे जुड़ेगा बिहार, पटना के लिए मिलेगी सीधी उड़ान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एयर इंडिया की सहयोगी कंपनी रही सरकारी एलायंस एयर पहली बार भोपाल का पटना से हवाई कनेक्शन जोडऩे जा रही है। कंपनी 10 अगस्त से भोपाल-पटना के बीच उड़ान शुरू कर रही है। इसका संचालन सप्ताह में तीन दिन होगा। कंपनी ने दो दिन पहले ही भोपाल से रीवा एवं कोलकाता उड़ान शुरू करने की घोषणा की थी। अब पटना को भी जोड़ा जा रहा है। पटना रूट पर भी 72 सीटों वाला एटीआर विमान चलाया जाएगा। इस रूट पर रविवार, सोमवार एवं बुधवार को उड़ान संचालित की जाएगी। भोपाल से बिहार के लिए यह पहला सीधा हवाई कनेक्शन होगा।

यह समय

एलायंस एयर की उड़ान संख्या 9 आइ 933 और 934 भोपाल से शाम 5.05 बजे। पटना से दोपहर 1.45 बजे उड़ान भरेगी।

बाल भवन में प्रसारण

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की आज लाइव स्ट्रीमिंग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इलाहाबाद में होने वाले 'छात्रों की गूंज' छात्र संवाद कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग शनिवार को भोपाल में भी होगी। जिला कांग्रेस कमेटी, शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। कार्यक्रम शाम 6:30 बजे से मां नर्मदा मंदिर (नर्मदीय भवन), सेकंड स्टॉप, बाल भवन के पीछे होगा।

ब्रिक्स: आज आपसी सहयोग पर चर्चा, मंच पर झलकी संस्कृति

राजधानी में चल रहे ब्रिक्स सम्मेलन में डांस ड्रामा की प्रस्तुति देखते ही बन रही है। कलाकारों ने नृत्य में महाकाल, श्रीराम की वनवास यात्रा को दिखाया तो तालियों की आवाज गूंजती रहीं। अब शनिवार को ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक होने जा रही है। इसमें सभी संस्कृति के क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

चिनार पार्क में चल रही बैठक, तय करेंगे रणनीति

कंपनियों की मनमानी के खिलाफ टैक्सी चालक जुटे, किराया नहीं बढ़ा तो आंदोलन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ भोपाल टैक्सी चालक संघ (भारतीय मजदूर संघ सम्बद्ध) का आंदोलन निर्णायक दौर में पहुंच गया है। संघ ने शनिवार दोपहर 12 बजे लिंक रोड-1 स्थित चिनार पार्क में टैक्सी चालकों की महाबैठक बुलाई है। इसमें आगे की रणनीति पर चर्चा की जा रही है।

संघ का कहना है, 23, 24 और 25 जून को एयरपोर्ट राइड के बहिष्कार के बाद कंपनियां दबाव में आई थीं। तब किराए में 5 से 10 प्रतिशत तक आंशिक सुधार किया था, लेकिन आंदोलन समाप्त होते ही फिर पुराने रेट लागू कर दिए। अब कई राइड्स में ड्राइवरों को 30 से 40 रुपए तक का किराया मिल रहा है। पहले पहले 50 से 60 रुपए तक की बुकिंग आती थी। उनका कहना है, सरकार और एग्रीगेटर समाधान नहीं किया तो प्रदेशस्तर पर प्रदर्शन होगा।

नई नीति लागू करें

संघ का कहना है, प्रदेश में टैक्सी किराया तय करने के लिए स्पष्ट सरकारी नीति नहीं है। इसी का फायदा उठाकर एग्रीगेटर कंपनियां मनमाने तरीके से किराया तय कर रही हैं। संगठन की मांग है कि सरकार टैक्सी किराए के लिए स्थायी गाइडलाइन लागू करे। इसमें हर राइड पर 50 से 60 रुपए बेस फेयर, यात्रा अवधि के लिए 1 से 1.50 रुपए प्रति मिनट टाइम चार्ज और गाड़ी की श्रेणी के अनुसार 22 से 30 रुपए प्रति किमी की दर से तय करें।

मेट्रो एंकर

एमपी एनआरआई ग्लोबल ग्रुप के साथ कई विषयों पर हुआ विचार-विमर्श

प्रवासी भारतीयों के मुद्दों पर मुख्य सचिव को दिए सुझाव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के प्रमुख प्रवासी भारतीय संगठन एमपी एनआरआई ग्लोबल ग्रुप के संस्थापक आबिद फारूकी लंदन से भोपाल पहुंचे। उन्हेंने राज्य के मुख्य सचिव से शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक के दौरान भोपाल से दुबई समेत अन्य देशों के लिए सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत, राजधानी में वीज़ा आवेदन केंद्र स्थापित करने और प्रवासी प्रदेश वासियों के हितों के लिए बेहतर सरकारी समन्वय जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। एमपी एनआरआइ ग्लोबल ग्रुप और राज्य सरकार के प्रयास से बेहतर व्यवस्था विकसित करने का सुझाव भी दिया।

एमपी एनआरआइ ग्लोबल ग्रुप के संस्थापक ने पासपोर्ट, वीजा केंद और इमिग्रेशन को लेकर मुख्य सचिव से की चर्चा।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की जरूरत

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जल्द अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं शुरू करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने भोपाल में वीज़ा आवेदन केंद्र की स्थापना और राज्य सरकार व एमपी एनआरआई ग्लोबल ग्रुप के संयुक्त प्रयासों से प्रवासी भारतीयों के लिए प्रभावी सहायता एवं समन्वय व्यवस्था विकसित करने का सुझाव भी प्रस्तुत किया।

प्रतिनिधिमंडल के सुझावों पर कार्यवाही करने का मुख्य सचिव ने दिया भरोसा

प्रतिनिधिमंडल ने एमपी एनआरआई ग्लोबल सर्विस की नि:शुल्क वैश्विक सहायता सेवा के बारे में भी मुख्य सचिव को जानकारी दी। उन्हें बताया कि इस सेवा के जरिए मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीयों को पासपोर्ट, वीज़ा, इमिग्रेशन, राष्ट्रीयता से जुड़े मामलों की जानकारी दी जा रही है। दुनिया के किसी भी देश की यात्रा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवागमन संबंधी आवश्यक जानकारी एवं नि:शुल्क मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस सेवा का अधिक से अधिक लोगों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से इसे शासन के सहयोग से एयरपोर्ट एवं पासपोर्ट कार्यालयों से जोड़ने का प्रस्ताव भी मुख्य सचिव को सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि ऐसी व्यवस्था भोपाल से शुरू होने के बाद प्रदेशभर में हालात बदलेंगे। विदेशों में रहने वाले अप्रवासी प्रदेश की ओर तेजी से आकर्षित होंगे।

मुख्य सचिव ने एमपी एनआरआई ग्लोबल प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि उनके सभी सुझावों और मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक स्तर पर कार्रवाई की जाएगी।

होटल कर्मचारी फरार, पुलिस कर रही तलाश

इंस्टा पर दोस्ती, फिर वीडियो बनाकर छात्रा से दुष्कर्म , केस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक युवती से लंबे समय तक यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है होटल कर्मचारी अरुण धानक ने इंस्टा पर दोस्ती की। तब वह नाबालिग थी। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने उसके गंदे वीडियो बनाए लिए। तब से वह वीडियो इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देने लगा। इसकी आड़ में वह लगातार उसका यौन शोषण करता रहा। पुलिस ने बताया छात्रा अभी 18 साल की है। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र में मामले में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, छात्रा उसकी हरकतों से तंग हो चुकी थी। बीते दिन आरोपी ने उसके घर जाकर भी मारपीट की थी। छात्रा ने पूरा मामला परिजनों को बताया। इसके बाद परिजनों ने अरेरा हिल्स थाने में एफआइआर दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट, धमकी सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है, आरोपित फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

राजेंद्र माथुर की 91वीं जयंती

एक कालजयी संपादक, जिन्होंने पत्रकार नहीं... पीढ़ियां गढ़ीं

पत्रकारिता के अपने चार दशक से अधिक लंबे सफर में अनेक संपादकों और पत्रकारों के साथ काम करने का अवसर मिला, लेकिन यदि कोई एक नाम आज भी मेरे मन में गुरु, मार्गदर्शक और संपादक की सर्वोच्च कसौटी के रूप में अंकित है, तो वह है राजेंद्र माथुर।

उनसे पहली बार दिसंबर 1984 में मिलने का अवसर मिला। तब मैं डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में पत्रकारिता एवं जनसंचार का स्नातकोत्तर छात्र था। मीडिया अध्ययन यात्रा के दौरान हम दिल्ली पहुँचे और नवभारत टाइम्स के संपादक राजेंद्र माथुर तथा जनसत्ता के संपादक प्रभाष जोशी से मिलने का अवसर मिला। उस समय तक मैं उनके बारे में वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल से बहुत कुछ सुन चुका था। तब तक राजेंद्र माथुर नईदुनिया की पत्रकारिता पाठशाला से निकलकर हिंदी पत्रकारिता के सबसे प्रतिष्ठित दैनिक नवभारत टाइम्स का नेतृत्व संभाल चुके थे।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

राजेंद्र माथुर की कहानी, नईदुनिया के प्रधान संपादक राहुल बारपूते का उल्लेख किए बिना अधूरी है। बारपूते जी प्रतिभाओं को पहचानने की अद्भुत क्षमता रखते थे। गुजरात कॉलेज में अंग्रेजी के व्याख्याता रहे राजेंद्र माथुर की अंतरराष्ट्रीय मामलों पर गहरी पकड़ से वे इतने प्रभावित हुए कि पहले उनसे विदेशी विषयों पर लेख लिखवाए और बाद में उन्हें नईदुनिया का संपादक बना दिया। यही वह निर्णय था जिसने हिंदी पत्रकारिता को उसका सबसे आधुनिक और वैचारिक संपादक दिया।

इंटर्नशिप नहीं, पत्रकारिता की पाठशाला

वास्तविक परिचय तब हुआ जब अनिवार्य इंटर्नशिप के लिए मैं दिल्ली पहुँचा। मैंने जानबूझकर नवभारत टाइम्स चुना, क्योंकि वहाँ राजेंद्र माथुर थे। साथ ही समाचार एजेंसी यूनिवार्ता में भी प्रशिक्षण लिया, जहाँ काशीनाथ जोगलेकर संपादक थे। नवभारत टाइम्स पहुँचते ही माथुर साहब ने वरिष्ठ सब-एडिटर राकेश कपूर को बुलाया और कहा, 'इन्हें टाइम्स ऑफ इंडिया की एक खबर दीजिए। इसे हिंदी में तैयार करके लाएँ।' मैं पहले से जानता था कि वे शब्दानुवाद नहीं, भावानुवाद के समर्थक हैं। मैंने खबर उसी दृष्टि से लिखी। कुछ देर बाद उन्होंने मुझे अपने कक्ष में बुलाया और मुस्कराकर कहा— 'मैं इसी तरह की भाषा पसंद करता हूँ। अब तुम प्रशिक्षण शुरू कर सकते हो।' इस एक वाक्य ने आत्मविश्वास भर दिया। एक महीने की इंटर्नशिप कब ढाई महीने में बदल गई, पता ही नहीं चला। इसी दौरान नवभारत टाइम्स में मेरी पहली बाइलाइन खबर भी प्रकाशित हुई।

कॅरियर का पहला बड़ा मोड़

प्रशिक्षण समाप्त होने पर उन्होंने पूछा— 'यहीं काम करोगे?'

मैंने उत्तर दिया-'सर, दिल्ली या भोपाल आने से पहले मैं गाँव-खेड़ों की पत्रकारिता करना चाहता हूँ।' क्योंकि असली भारत तो गाँव कस्बों में बसता है । उसको समझे बग़ैर अधकचरे राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय पत्रकार बनने का क्या फ़ायदा । मेरे उत्तर पर उनकी आँखों में एक अलग ही चमक थी। वे नईदुनिया के दौर से ही ग्रामीण पत्रकारिता को प्रोत्साहित करते थे । उन्होंने कहा- वापस अपने शहर सागर जाओ। बुंदेलखंड से हमारे अंशकालिक संवाददाता बनो। क्षेत्रीय अखबारों में भी लिखो। लेकिन गाँव से पत्रकारिता सीखो। वह सलाह मेरे पूरे करियर की सबसे बड़ी पूँजी सिद्ध हुई। सागर में रहते हुए मेरी खबरें नवभारत टाइम्स के साथ-साथ नईदुनिया, दैनिक भास्कर, जागरण और अन्य अखबारों में भी प्रकाशित होने लगीं।

एक संपादक, जो अपने संवाददाताओं का सुख-दुख जानता था। पत्रकारिता शुरू किए मुश्किल से डेढ़ वर्ष हुआ था कि मेरे पिता का असामयिक निधन हो गया। यह सूचना राजेंद्र माथुर तक कैसे पहुँची, आज भी नहीं जानता। लेकिन कुछ दिनों बाद उनका संदेश मिला। उस समय मुझे पहली बार महसूस हुआ कि पिता के न रहने पर भी पत्रकारिता में ऐसे संरक्षक मौजूद हैं जो केवल संपादक नहीं, अभिभावक भी होते हैं। बाद में स्वर्गीय भुवन भूषण देवलिया ने बताया कि राजेंद्र माथुर ने राजेश बादल के माध्यम से संदेश भिजवाया है कि यदि मैं चाहूँ तो दिल्ली आकर नवभारत टाइम्स, मुंबई संस्करण का नियुक्ति-पत्र ले सकता हूँ। लेकिन परिस्थितियाँ अलग थीं। पिता के निधन के बाद तीन बहनों की जिम्मेदारी मेरे कंधों पर थी। मुझे भोपाल में ही रहना था। इसलिए मैंने दिल्ली नहीं, भोपाल चुना। आज भी सोचता हूँ, वह निर्णय परिस्थितियों का था, इच्छा का नहीं।

नवोदित पत्रकार पर भी नजर

भोपाल में नईदुनिया जॉइन किए मुश्किल से एक महीना हुआ था कि प्रेस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के कार्यक्रम में राजेंद्र माथुर और काशीनाथ जोगलेकर भोपाल आए। मुख्य सभागार में प्रवेश करने से पहले मैं उनसे मिला।मुझे देखते ही उन्होंने पहला प्रश्न किया— 'नईदुनिया जॉइन कर ली?' मैं चौंक गया। दिल्ली में बैठा इतना बड़ा संपादक एक नए पत्रकार की गतिविधियों तक पर नजर रखे हुए था। तब तो संचार के साधन इतने नहीं थे । काशीनाथ जोगलेकर ने भी दिल्ली आने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक वर्ष में भोपाल वापस भेज देंगे। लेकिन मैंने लगातार नौकरी बदलने से इंकार कर दिया। मैंने विनम्रता पूर्वक उन्हें कहा कि तीन महीने में भास्कर छोड़कर नईदुनिया जॉइन की है । फिर संस्थान बदलूँगा तो मुझ पर छाप लग जाएगी कि मुझमें टिकाऊपन नहीं है ।

बनारस की वह पाठशाला

राजेंद्र माथुर के साथ सबसे अधिक समय बिताने का अवसर बनारस में मिला, जहाँ प्रेस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई थी।

वे प्रतिदिन आठ-आठ घंटे पत्रकारिता, भाषा, लेखन और संपादन की बारीकियाँ समझाते थे। बीच-बीच में हमारी कॉपियाँ जाँचते, सुधार बताते और चर्चा करते।

सबसे बड़ी बात यह थी कि औपचारिक कक्षा समाप्त होने के बाद भी उनका दरवाजा खुला रहता था। वे कहते— 'यदि किसी को कोई भ्रम या सवाल हो, तो शाम को होटल आ जाइए। वहीं बैठकर बात करेंगे।' आज कल्पना करना भी कठिन है कि देश का सबसे बड़ा संपादक प्रशिक्षुओं के लिए अपना निजी समय इस तरह समर्पित करता था।

आदर्श संपादक कौन?

एक दिन मैंने उनसे पूछा— 'आपकी नजर में आदर्श संपादक कौन होता है?' उन्होंने बिना एक पल गंवाए उत्तर दिया— 'वही, जिसे अपने अधीनस्थों से डर नहीं लगता।' इस एक वाक्य में उनकी पूरी संपादकीय दृष्टि समाई हुई थी। वे बरगद के उस वृक्ष की तरह थे जिसकी छाँव में नए पौधे विकसित होते हैं। वे उन लोगों में नहीं थे जो अपनी ऊँचाई बचाने के लिए अपने आसपास किसी को बढ़ने ही न दें।

सत्ता से दूरी

उस दौर में प्रधानमंत्री कार्यालय से उन्हें सुबह चाय-नाश्ते का निमंत्रण आता था। लेकिन राजेंद्र माथुर स्वयं जाने में शायद ही कभी रुचि लेते। अक्सर वे कहते 'जिसे रिपोर्टिंग करनी है, वही जाए। प्रधानमंत्री से मिलकर मैं क्या करूँ?' वे आलोक मेहता जी , प्रकाश दुबे जी जैसे विशेष संवाददाताओं को यह कहकर भेज देते थे की रिपोर्टिंग के सिलसिले में रोजमर्रा का काम तो उन्हीं को करना है । संपादक और सत्ता के बीच आवश्यक दूरी बनाए रखने का इससे बेहतर उदाहरण शायद ही मिले। आज के दौर के पत्रकार तो सीएम के साथ सेल्फी लेकर फेसबुक पर डालकर अपना महत्व समाज की सामने प्रतिपादित करने की कोशिश करते हैं।

राजेंद्र माथुर मेरे लिए केवल एक महान संपादक नहीं थे। वे ऐसे गुरु थे जिन्होंने सिखाया कि पत्रकारिता का अर्थ सत्ता के निकट पहुँचना नहीं, समाज के और अधिक निकट पहुँचना है।आज जब पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, तब बार-बार उनकी याद आती है। इसलिए नहीं कि वे बड़े संपादक थे, बल्कि इसलिए कि वे ऐसे इंसान थे जिनकी अतीत वर्तमान और उसके भविष्य पर पैनी निगाह होती थी।

एक बात का अफसोस...

उनसे आख़िरी बार मिलने का अवसर मैं नहीं निकाल पाया। वो छह अप्रैल को भोपाल आए थे । में किसी कारणवश उनसे नहीं मिल सका । तीन दिन बाद ही छप्पन साल की उम्र में उनके निधन का समाचार सुनकर अवाक रह गया । उस दिन उनसे न मिलने की कसक शायद जीवन भर रहेगी। लेकिन उनके आपातकाल के दिनों से लेकर नवभारत टाइम्स में छापे उनके लेखों पर केंद्रित सामयिक प्रकाशन की किताबों को नई पीढ़ी के पत्रकार पढ़ेंगे तो उन्हें युगदृष्टा राजेंद्र माथुर की महानता का अंदाजा होगा।

गांधी भवन में 'माथुर के महात्मा' विषय पर व्याख्यान, वक्ताओं ने कहा -

पत्रकारिता में राजेंद्र माथुर के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाना आज की पीढ़ी का दायित्व

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गांधी भवन न्यास द्वारा हिंदी पत्रकारिता के प्रख्यात संपादक एवं चिंतक राजेंद्र माथुर की 91वीं जयंती के अवसर पर 'माथुर के महात्मा' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राजेंद्र माथुर के अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर आधारित एक दुर्लभ साक्षात्कार के प्रदर्शन से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दैनिक भास्कर, नागपुर के संपादक प्रकाश दुबे ने कहा कि राजेंद्र माथुर पत्रकारिता का सबसे बड़ा धर्म सत्य को निर्भीकता और निर्ममता से उजागर करना मानते थे। उनके भीतर सहजता और वैचारिक दृढ़ता का अद्भुत समन्वय था, जिसकी प्रेरणा उन्हें महात्मा गांधी से मिली थी। उन्होंने राजेंद्र माथुर और गांधीजी से जुड़े अनेक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज की पत्रकारिता को माथुर जी के मूल्यों से सीख लेने की आवश्यकता है।

अध्यक्षता करते हुए पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि राजेंद्र माथुर एक आदर्श संपादक थे, लेकिन उनके अनेक महत्वपूर्ण स्वप्न आज भी अधूरे हैं। वे हिंदी में एक सशक्त पाठक समाज का निर्माण करना चाहते थे। साथ ही पत्रकारिता के विकेंद्रीकरण, भारतीय भाषाओं में मजबूत समाचार-पत्रों के विकास तथा एक सर्वांगीण अखबार की परिकल्पना को साकार करना चाहते थे। इन अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाना आज की पीढ़ी का दायित्व है।

मुख्य वक्ता प्रकाश हिंदुस्तानी ने कहा कि राजेंद्र माथुर के लिए समाचार-पत्र केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज से संवाद का सशक्त हथियार था। उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से पाठकों को लोकतांत्रिक रूप से सशक्त किया। वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश मेहता ने कहा कि वे आज जो कुछ भी हैं, उसमें राजेंद्र माथुर का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने अपने जीवन में सदैव माथुर जी के सिद्धांतों पर चलने का प्रयास किया है।

वरिष्ठ पत्रकार चंद्रकांत नायडू ने कहा कि समय के साथ पत्रकारिता अक्सर अपनी मुख्यधारा और मूल सरोकारों से भटक जाती है, लेकिन राजेंद्र माथुर में घटनाओं और समाज को गहरी वैचारिक दृष्टि से देखने की अद्भुत क्षमता थी। इसी दृष्टि के बल पर उन्होंने पत्र-पत्रिकाओं में नई ऊर्जा, गति और वैचारिक गंभीरता का समावेश किया।

वरिष्ठ पत्रकार सुधीर सक्सेना ने कहा कि राजेंद्र माथुर केवल अपने समय के महान संपादक ही नहीं, बल्कि भारतीय पत्रकारिता के महानायक थे। महात्मा गांधी के बाद पत्रकारिता में सत्य की प्रतिष्ठा के लिए राजेंद्र माथुर को सदैव स्मरण किया जाएगा।

वरिष्ठ पत्रकार उमेश त्रिवेदी ने कहा कि राजेंद्र माथुर महान इसलिए बन सके क्योंकि उन्होंने आपातकाल का दौर स्वयं जिया और भुगता था। यदि हमें उनके व्यक्तित्व और पत्रकारिता को समझना है तो उनके निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझना होगा।

राजेंद्र माथुर स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म से निकले दोपहर मेट्रो के प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया ने बताया कि उन्होंने पत्रकारिता और जनसंचार पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री के बाद नवभारत टाइम्स में इंटर्नशिप के दौरान पत्रकारिता के गुर सीखे । इसके बाद माथुर जी ने गाँव और कस्बों में बसने वाले असली भारत को समझने के लिए बुंदेलखंड के अंशकालिक संवाददाता के रूप में काम करने का मौक़ा दिया । नईदुनिया में रहते हुए बनारस में प्रेस इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडिया के पाँच दिनी कार्यशाला के दौरान उन्होंने रिपोर्टिंग और एडिटिंग की बारीकियां समझाई । सिरोठिया ने कहा कि माथुर जी भले ही मात्र 56 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को छोड़ गए लेकिन उनके सबक गुरु मंत्र के रूप में आज भी मेरे जेहन में गूंजते हैं । कार्यक्रम को पूर्व सांसद प्रतापभानु शर्मा ने भी संबोधित करते हुए उनके साथ अपनी यादों को ताजा किया ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, लेखक, शिक्षाविद् एवं नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से जगदीश कौशल, अजय बोकिल, मंगला अनुजा, पराग माण्डले, रामायण पटेल, मोहन दीक्षित, भगवती कड़वे, सुभाष गीद, अभिलाष खांडेकर, संजीव श्रीवास्तव, संदीप पौराणिक, जगदीश कौशल ,राकेश दीक्षित, अमिताभ शुक्ला, राजकुमार द्विवेदी, देवेंद्र सिंह पटेल, रज्जू राय, ममता यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं राजेंद्र माथुर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत सभी अतिथियों का खादी वस्त्र एवं सदी के संपादक राजेंद्र माथुर लेखक राजेश बादल की पुस्तक भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन गांधी भवन न्यास के कोषाध्यक्ष, लेखक एवं पत्रकार राजेश बादल ने किया। गांधी भवन न्यास के सचिव अंकित कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रदेश में 10 लाख अधिकारियों-कर्मचारियों का 18 % तक बढ़ सकता है महंगाई भत्ता

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के 10 लाख से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों का महंगाई भत्ता अगले वित्तीय वर्ष में 18 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। सरकार इसके लिए विभागों के स्थापना व्यय में 78 प्रतिशत का बजट प्रविधान कराएगी ताकि जैसे ही भारत सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता व महंगाई राहत में वृद्धि करे तो उसका लाभ प्रदेश के अधिकारियों-कर्मचारियों को भी दिया जा सके।

वर्तमान में 60 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने 68 प्रतिशत के हिसाब से महंगाई भत्ता के लिए बजट रखा है। हालांकि, भारत सरकार इसे

बढ़ाकर 62 प्रतिशत कर चुकी है लेकिन प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे घटनाक्रम से प्रभावित हो रहे निर्यात व कमजोर मानसून की आशंका से पड़ने वाले असर को देखते हुए वृद्धि का निर्णय नहीं लिया है। जबकि, भारत सरकार एक बार फिर महंगाई दर में वृद्धि करने की तैयारी में है। उधर, कर्मचारी और पेंशनरों के संगठन लगातार मांग कर रहे हैं कि महंगाई को देखते हुए दर में वृद्धि की जाए। 18 अगस्त को तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने आंदोलन की घोषणा भी कर दी है। उधर, पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने सातवें वेतनमान में न्यूनतम पेंशन 7,750 से बढ़ाकर 9,000 रुपये करने की मांग की है। 48 माह का एरियर पहले ही मांगा जा चुका है। इस बीच, सरकार ने वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट की तैयारी शुरू करते हुए सभी विभागों से कहा है। वे अपने स्थापना व्यय में महंगाई राहत के लिए 78 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ते के लिए प्रविधान रखें यानी वर्तमान दर के हिसाब से 18 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2028-29 में यह दर 88 और वित्तीय वर्ष 2029-30 में 98 प्रतिशत तक होगी।

पहले होगी मजिस्ट्रियल जांच

गोली चलाने पर वनकर्मी पर सीधे नहीं होगी एफआईआर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में वन और वन्यजीवों की सुरक्षा में लगे वनकर्मियों द्वारा गोली चलाने पर सीधे एफआईआर नहीं होगी। इसके लिए पहले मजिस्ट्रियल जांच करनी पड़ेगी। इसमें यह देखा जाएगा कि वनकर्मी ने हथियार का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में किया है। यदि अनावश्यक या दुर्भावना से किया जाना सिद्ध होता है तो फिर आपराधिक कार्रवाई होगी अन्यथा नहीं। इस संबंध में वन विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी की। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि कई बार वनकर्मियों को गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। अपनी, वन भूमि, वन संपदा, वन्यजीवों की रक्षा के लिए उन्हें हथियार का उपयोग भी करना पड़ सकता है। इसके बाद भी उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति न हो, इसके कारण वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वत संज्ञान लेते हुए 2026 में जारी किए गए निर्देशों के अनुसार तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के प्रावधान अनुसार यह व्यवस्था बनाई है कि किसी भी वनकर्मी द्वारा जब भी हथियार का प्रयोग किया जाएगा, तब प्रत्येक ऐसी घटना की मजिस्ट्रियल जांच की जाएगी।

रक्षाबंधन से पहले लाड़ली बहनों के खाते में आएंगे 1500 रुपए

भोपाल. दोपहर मेट्रो। मप्र की लाड़ली बहनों के लिए रक्षाबंधन से पहले राहत की खबर सामने आ रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की अगस्त 2026 की 39वीं किस्त का लाभ पात्र महिलाओं को मिलने की उम्मीद है। योजना के तहत प्रत्येक पात्र महिला के खाते में हर महीने 1500 रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे ट्रांसफर की जाती है। हालांकि, सरकार की ओर से किस्त जारी करने की निश्चित तारीख की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। पिछले महीनों के भुगतान पैटर्न को देखते हुए अगस्त की किस्त करीब 10 अगस्त के आसपास जारी होने का अनुमान है। ऐसे में प्रदेश की करोड़ों लाभार्थी महिलाओं की नजर अब सरकार की आधिकारिक घोषणा पर टिकी है।

एमपी प्राथमिक शिक्षक भर्ती 2026

चयनित अभ्यर्थियों अब आपसी सहमति से बदलेंगे जिला, स्कूल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति-2026 में चयनित अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए पारस्परिक (म्यूचुअल) जिला परिवर्तन की सुविधा देने का निर्णय लिया है।

यह व्यवस्था उन अभ्यर्थियों के लिए लागू की गई है, जिन्हें पारिवारिक, सामाजिक, चिकित्सीय या अन्य व्यावहारिक कारणों से आवंटित जिले और विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने या नियमित सेवाएं देने में कठिनाई हो रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा केवल समान श्रेणी के दो चयनित अभ्यर्थियों की आपसी सहमति के आधार पर ही उपलब्ध होगी। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के आयुक्त ने आदेश जारी किए हैं कि प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा के तहत 13,089 पदों पर चयनित अभ्यर्थी 10 और 11 अगस्त को निर्धारित पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के माध्यम से दोनों अभ्यर्थी अपने-अपने आवंटित जिले एवं विद्यालय का पारस्परिक परिवर्तन कराने का अनुरोध कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर पेंशन, सब्सिडी और अन्य सरकारी लाभ का प्रमुख माध्यम बनी डिजिटल और समावेशी बैंकिंग

पीएम जनधन योजना एमपी की उपलब्धि, 3.54 करोड़ रुपे कार्ड जारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 3.54 करोड़ रुपे कार्ड जारी कर मध्य प्रदेश ने देश में चौथा स्थान हासिल किया है। इस सूची में उत्तर प्रदेश - 7.16 करोड़, बिहार - 4.98 करोड़ और पश्चिम बंगाल - 3.74 करोड़ रुपे कार्ड के साथ पहले तीन स्थानों पर हैं। मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र (2.75 करोड़) और राजस्थान (2.88 करोड़) जैसे राज्यों से बेहतर प्रदर्शन किया है। वहीं, पूरे देश में प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत अब तक करीब 41 करोड़ रुपे कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

इस सफलता में बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंटकेंद्रों और माइक्रो-एटीएम का बड़ा योगदान है। इन केंद्रों के जरिए लोग अपने गांव में ही नकद जमा और निकासी, बैलेंस चेक, सरकारी योजनाओं का पैसा और अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ आसानी से ले सकते हैं। पहले अलीराजपुर, सिंगरौली, मुरैना और छिंदवाड़ा जैसे दूर-दराज के इलाकों के लोगों को बैंक जाने के लिए कई किलोमीटर का सफर करना पड़ता था। अब गांव में लगे माइक्रो-एटीएम के कारण बैंकिंग सेवाएं उनके घर के पास ही उपलब्ध हैं। बीएलएस ई-सर्विसेज का मध्य प्रदेश में 1,600 से अधिक क्षेत्र-स्तरकेंद्र और 600 से अधिक माइक्रो-एटीएम का नेटवर्क है। इनके माध्यम से हर महीने लगभग 8 लाख से अधिक लेनदेन किए जाते हैं, जिनकी कुल राशि करीब 400 करोड़ रुपये होती है।

ग्रीन पिन सुविधा से ग्राहक अब अपने रुपे कार्ड का पिन मोबाइल या डिजिटल माध्यम से आसानी से बना या बदल सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को पिन मिलने में होने वाली देरी की समस्या भी खत्म हो गई है। बीएलएस ई-सर्विसेज के मुख्य परिचालन अधिकारी लोकनाथ पांडा ने कहा, 'मध्य प्रदेश का देश में चौथे स्थान पर पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि राज्य में वित्तीय समावेशन तेजी से बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा, 'माइक्रो-एटीएम और क्षेत्र केंद्रों के विस्तार से लोगों को अपने गांव या उसके आसपास ही बैंकिंग सेवाएं मिल रही हैं। अब उन्हें पैसे निकालने या सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

प्रधानमंत्री जनधन योजना के खाते पेंशन, सब्सिडी और अन्य सरकारी लाभ सीधे प्राप्त करने का प्रमुख माध्यम बन चुके हैं। रुपे कार्ड, आधार आधारित भुगतान और गांव स्तर की बैंकिंग सेवाओं के साथ मिलकर यह व्यवस्था देश में डिजिटल और समावेशी बैंकिंग को और मजबूत बना रही है।

संसदीय गतिरोध और धन की बर्बादी

भारतीय लोकतंत्र की नींव वैचारिक विमर्श, स्वस्थ बहस और असहमति के सम्मान पर टिकी है। संसद को देश के नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतीक और लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर माना जाता है। यहाँ लिए गए निर्णय देश के वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय संसद के भीतर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ता तीखा टकराव और इसके कारण बार-बार ठप होती विधायी कार्यवाही गंभीर चिंता का विषय बन गई है। यह स्थिति न केवल हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है, बल्कि देश की जनता की गाढ़ी कमाई का रुपया व्यर्थ बहाने जैसा है।

संसद के प्रत्येक सत्र में हंगामे, नारेबाजी, तख्तियाँ लहराने और स्थगन का दृश्य अब नियति बनता जा रहा है। जहाँ एक ओर विपक्ष का आरोप है कि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों, नीतिगत विषयों और जनहित के प्रश्नों पर चर्चा से बचने के लिए सत्तापक्ष उसकी आवाज़ दबाता है; वहीं दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क रहता है कि विपक्ष केवल राजनीतिक स्वार्थ के तहत जानबूझकर देश के विकास और विधायी कामकाज में रोड़े अटका रहा है। इस आरोप-प्रत्यारोप के चक्रव्यूह में वास्तविक नुकसान देश और उसके नागरिकों का हो रहा है। संसद को संचालित करने में प्रति मिनट लाखों रुपये का खर्च आता है। सुरक्षा, तकनीकी व्यवस्था और प्रशासनिक संसाधनों पर होने वाले इस भारी-भरकम खर्च के बावजूद जब पूरा सत्र या उसका अधिकांश हिस्सा बिना किसी कामकाज के भेंट चढ़ जाता है, तो यह जनता के कर का सीधा दुरुपयोग है।

इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि गतिरोध के बीच कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक बिना किसी सूक्ष्म समीक्षा या गहन चर्चा के आनन-फानन में पारित कर दिए जाते हैं। लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराने का अधिकार सर्वोपरि है, लेकिन विरोध का तरीका यदि बहस के दरवाजों को ही बंद कर दे, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक जाता है। संसद का काम केवल कानून बनाना ही नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही तय करना भी है, जो केवल निरंतर संवाद से ही संभव है। सदन को सुचारू रूप से चलाने की प्राथमिक जिम्मेदारी सत्तापक्ष की होती है, जिसे विपक्षी दलों की चिंताओं को सुनने और सदन का माहौल अनुकूल बनाने के लिए अधिक उदारता दिखानी चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि लगातार गतिरोध पैदा करने के बजाय तथ्यपरक और तर्कसंगत बहस से सरकार को घेरना अधिक प्रभावी रणनीति है। यदि संसदीय संस्थाओं में इसी प्रकार गतिरोध बना रहा, तो आम जनता का लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से भरोसा डगमगाने लगेगा। अब समय आ गया है कि दोनों पक्ष दलीय राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित और संसदीय मर्यादा को सर्वोपरि रखें।

आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा और सुधार... आज की एक सामयिक आवश्यकता

सुधीर नायक
कर्मचारी नेता, विचारक

मूल भारतीय संविधान में जो भी प्रावधान शामिल किये गये थे वे बहुमत या सर्वसम्मति के आधार पर शामिल किये गये थे।संविधान सभा के किसी भी सदस्य को यह शक्ति प्राप्त नहीं थी कि वह अकेला केवल अपनी इच्छानुसार कोई प्रावधान शामिल करवा सके जब तक कि उस प्रावधान के समर्थन में सदस्यों का बहुमत न हो।इसलिए किसी प्रावधान के लिए किसी एक सदस्य को श्रेय देना बाकी सदस्यों के साथ अन्याय ही कहा जायेगा।संविधान सभा में 80 प्रतिशत सदस्य सामान्य वर्ग/पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक वर्ग से थे। इसके बावजूद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को आरक्षण देने का प्रावधान शामिल किया गया और सभी ने सहमति दी क्योंकि सभी सदस्य न्यायपूर्ण दृष्टिकोण रखते थे।आरक्षण से समाज के वंचित तबकों को लाभ हुआ और उन्हें आगे आने का मौका मिला।यह भी सच है कि आरक्षण की जरूरत आज भी बनी हुई है।परंतु अब 75 वर्ष बाद इस व्यवस्था में अनेक सुधारों की जरूरत दिखने लगी है।आज यह स्थिति बना दी गई है कि आरक्षण की समीक्षा या सुधार की बात सुनते ही लोग उत्तेजित हो जाते हैं।यह उचित नहीं है।आरक्षण व्यवस्था पर देश का अरबों खरबों रुपए का व्यय होता है जो करदाताओं की जेब से जाता है और करदाताओं में आरक्षित अनारक्षित दोनों वर्गों के नागरिक हैं। इसलिए समय समय अन्य योजनाओं की भांति आरक्षण व्यवस्था की भी समीक्षा और समयानुकूल सुधारों की प्रक्रिया चलती रहना चाहिए।यह आरक्षित वर्गों के ही हित में है।हमारा अंतिम लक्ष्य यही होना चाहिए कि एक दिन आरक्षण देने की जरूरत न रह जाए।कुछ ऐसे सुधार हैं जिन्हें माननीय सर्वोच्च न्यायालय और माननीय उच्च न्यायालयों ने अपने विभिन्न फैसलों के द्वारा लागू करने के निर्देश दिये है परन्तु राजनीतिक कारणों से ये अतिआवश्यक सुधार लागू नहीं हो पा रहे हैं।इन सुधारों के लागू होने के बाद ही आरक्षण का लाभ आखिरी पंक्ति में खड़े हितग्राहियों तक पहुंच पायेगा :-

क्रीमी लेयर फिल्टर: माननीय सर्वोच्च न्यायालय अगस्त 2024 में ही फैसला दे चुका है कि अनुसूचित जाति जनजाति को नियुक्ति में भी आरक्षण का लाभ देते समय क्रीमी लेयर को बाहर किया जाना उचित है परंतु इस संबंध में नियम बनाने की जिम्मेदारी विधायिका और कार्यपालिका पर डाली गयी है इसलिए ये नियम बन नहीं पा रहे हैं। क्रीमी लेयर का फैसला उपवर्गीकरण संबंधी फैसले के साथ ही दिया गया था।जरनैल सिंह केस में सुप्रीम कोर्ट ने पदोन्नति में आरक्षण देने के लिए क्रीमी लेयर फिल्टर लगाना अनिवार्य कर दिया।

उपवर्गीकरण: ई बी चिन्नैया बनाम आंध्रप्रदेश राज्य में 2004 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया था कि अनुसूचित जाति/जनजाति में उपवर्गीकरण नहीं किया जा सकता लेकिन इसी केस में दायर की गयी पुनर्विचार याचिका में अगस्त 2024 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पूर्व फैसले को पलटते हुए निर्णय दिया कि अनुसूचित जाति/जनजाति के बीच पिछड़ापन समान नहीं है इसलिए उनके बीच उपवर्गीकरण किया जा सकता है। कोर्ट ने यह स्वीकार किया कि अनुसूचित जाति/जनजाति के बीच भी कुछ जातियां ज्यादा पिछड़ी हुई हैं और कुछ कम।माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से यह भी जाहिर होता है कि आरक्षण एक गतिशील अवधारणा है।इस फैसले के बाद तेलंगाना पहला राज्य है जिसने आरक्षण में उपवर्गीकरण लागू कर दिया।अर्थात अनुसूचित जाति जनजाति को मिलने वाले कुल आरक्षण को अलग अलग जाति समूहों में बांट दिया। राजनीतिक कारणों से भले ही उपवर्गीकरण का विरोध हो परन्तु उपवर्गीकरण न्यायसंगत है और इसकी आवश्यकता हर राज्य में है।आरक्षित वर्गों में कुछ उन्नत हो चुकी जातियां ही आरक्षण का पूरा लाभ ले जाती हैं और आरक्षित वर्ग की ही अन्य अपेक्षाकृत पिछड़ी जातियां आरक्षण के लाभों से वंचित रहतीं हैं।इसीलिए मध्यप्रदेश में सहरिया जनजाति के लिए अलग से प्रावधान करने पड़े हैं।

गणनायोग्य डेटा एकत्र करना: जरनैल सिंह प्रकरण में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक 28/01/2022 को फैसला दिया कि पदोन्नति में आरक्षण देने के पूर्व हर संवर्ग में अनुसूचित जाति जनजाति के व्यक्ति कितने हैं यह आंकड़ा एकत्र किया जाना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि पदोन्नति में आरक्षण के लिए केवल जनसंख्या को आधार नहीं बनाना है।हर बार पदोन्नति के पहले देखना होगा कि अनुसूचित जाति जनजाति के व्यक्तियों की कितनी कमी है।उतनी कमी पूरी करने तक ही आरक्षण दिया जा सकेगा। इस प्रावधान का पालन करने के लिए भारत सरकार ने अपने सभी मंत्रालयों को आदेश दिनांक 12/04/2022 भी जारी कर दिया है।

दक्षता परीक्षण: नागराज केस में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने पदोन्नति में आरक्षण को वैध ठहराते हुए तीन शर्तें लगाई थीं उनमें से एक शर्त दक्षता परीक्षण की भी थी। प्रशासनिक दक्षता की कीमत पर पदोन्नति में आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए।यह शर्त योग्यता और वंचित वर्गों के प्रति न्याय के बीच संतुलन स्थापित करती है।लेकिन अभी तक दक्षता परीक्षण के लिए गोपनीय प्रतिवेदन के अलावा अन्य कोई मापदंड विकसित नहीं किए जा सकें हैं। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद गोपनीय प्रतिवेदन अब गोपनीय नहीं रह गया है।और वैसे भी दक्षता परीक्षण के लिए गोपनीय प्रतिवेदन विश्वसनीय मानक कभी नहीं रहा।गोपनीय प्रतिवेदन व्यक्तिपरक मूल्यांकन है जिसमें पूर्वग्रह,पक्षपात की संभावना बनी रहती है।वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन विकसित किये जाने की महती आवश्यकता है।

जाति प्रमाण पत्र जारी करने में सख्ती : जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में न्यायालयीन आदेशों से अनेक सुधार किए गये हैं फिर फर्जी जाति प्रमाणपत्रों की शिकायतें बढ़ती जा रहीं हैं।यह इस बात का द्योतक है कि इस प्रक्रिया में अभी और अधिक सुधारों की आवश्यकता है। इसके साथ ही जाति प्रमाणपत्रों की जांच हेतु गठित छानबीन समितियों में सुधार की आवश्यकता-न्यायालयीन आदेश से हर राज्य में एक राज्य स्तरीय छानबीन समिति गठित है। परंतु समाचार प्रकाशित होते रहते हैं कि बड़ी संख्या में जांचें लंबित हैं। कुछ शिकायतें तो बीस बीस साल पुरानी हैं।कई अधिकारी तो रिटायर हो जाते हैं और उनके जाति प्रमाण पत्र की जांच पूरी नहीं हो पाती।छानबीन समिति का स्वयं का कोई मैकेनिज़्म नहीं है वह अन्य शासकीय विभागों के प्रतिवेदनों पर निर्भर है।छानबीन समिति का स्वयं का तंत्र और उसके कामकाज की समय-सीमा निर्धारित किया जाना अब सामयिक आवश्यकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर विशेष

अंग्रेजी शासन की नींव को हिलाने वाले भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की। 8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध 'करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुईं। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने 'कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दर्शाता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी।

भारत छोड़ो आंदोलन का महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया। भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया। आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है।

भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। 'करो या मरो' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

बार-बार बेहोशी आना हो सकता है दिमाग और दिल से जुड़ी बीमारी का संकेत

कई बार शारीरिक कमजोरी, भूख की कमी, ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव और गर्मी की वजह से लोगों को बेहोशी आ जाती है। लेकिन, अगर किसी व्यक्ति को बार-बार बेहोशी आने लगे खासकर किसी स्पष्ट कारण के बिना तो यह केवल कमजोरी नहीं, बल्कि ब्रेन, हार्ट और नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। डॉक्टर्स के अनुसार, बार-बार बेहोश होना मिर्गी, स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर, ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम की गड़बड़ी या हृदय की अनियमित धड़कन जैसी समस्याओं का शुरुआती लक्षण हो सकता है। ऐसे मे व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से मिलकर बीमारी के कारण का पता लगाना चाहिए।

मेडलाइन प्लस के अनुसार बेहोशी तब होती है जब कुछ समय के लिए मस्तिष्क तक पर्याप्त मात्रा में रक्त और ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। इसकी वजह से व्यक्ति कुछ सेकंड या मिनट के लिए होश खो सकता है। सामान्य कारणों में लंबे समय तक खड़े रहना, शरीर में पानी की कमी, लो ब्लड प्रेशर, अत्यधिक दर्द, भावनात्मक तनाव, भूखे रहना या अचानक खड़े होना शामिल हैं।

मैयोक्लीनिक के अनुसार यदि बेहोशी व्यायाम करते समय आए, अचानक बिना किसी संकेत के हो, बार-बार दोहराई जाए, व्यक्ति को लंबे समय तक होश न आए या बेहोशी के बाद भ्रम, बोलने में दिक्कत या शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी महसूस हो, तो यह गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार निम्न स्थितियों में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। सीने में दर्द के साथ बेहोशी, दिल की धड़कन तेज या अनियमित होना, परिवार में अचानक हार्ट डेथ का इतिहास और बेहोशी के बाद दौरे जैसे लक्षण में न्यूरोलॉजिस्ट और कार्डियोलॉजिस्ट दोनों की जांच की आवश्यकता हो सकती है।

दिमाग से जुड़ी बीमारियां: मैयोक्लीनिक के अनुसार हर बेहोशी मिर्गी नहीं होती, लेकिन कुछ मरीजों में दौरे के दौरान व्यक्ति बेहोश हो सकता है। यदि बेहोशी के साथ शरीर में झटके, जीभ कटना, पेशाब निकल जाना या लंबे समय तक भ्रम बना रहे तो ईईजी जैसी जांच की जरूरत पड़ सकती है। ब्रेनस्टेम स्ट्रोक या गंभीर रक्त प्रवाह रुकने की स्थिति में व्यक्ति अचानक बेहोश हो सकता है। यदि बेहोशी के साथ बोलने में कठिनाई, चेहरे का टेढ़ा होना या हाथ-पैर में कमजोरी हो तो यह मेडिकल इमरजेंसी है।

निशाना

फ़ायदा क्या है अब लज़ाने से...

धर्मराज देशराज

एक शायर से दिल लगाने से
पूछ लो पहले तुम ज़माने से।
दर्द-ग़म और बेबसी के सिवा
क्या मिलेगा ग़रीब खाने से।
अपने दुश्मन को जीत सकते हो
इक दफ़ा सिर्फ मुस्कुराने से।
मेरे ऐबो - हुनर हुये ज़ाहिर
आइना भर मुझे दिखाने से।
बात नज़रों से हो गयी सब कुछ
फ़ायदा क्या है अब लज़ाने से।
ख्वाब में जो हुआ बताना है
मिल भी जाओ किसी बहाने से।
मुझको मुझसे ही मांगकर देखो
कुछ न पाओगे तुम ज़माने से।

वायरल कंटेंट

BMW बाइक लेकर पहुंचा राइडर बिजनेसमैन ने पूछा ऊबर क्यों चला रहे हो

कभी-कभी जिंदगी के सबसे बड़े सबक किसी बड़े मंच या सफल व्यक्ति से नहीं, बल्कि एक अनजान शख्स से हुई छोटी-सी बातचीत से मिलते हैं। मुंबई के एक बिजनेसमैन के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। देर शाम ऑफिस से गेस्ट हाउस जाने के लिए उनसे काफी देर तक ऊबर बुक नहीं हुई। जब आखिरकार राइड बुक हुई, तो उन्हें लेने एक BMW बाइक पहुंची।

मुंबई के फाउंडर आशीष जैन ने LinkedIn पर इस अनुभव को शेयर किया जो वायरल हो रहा है। उन्होंने बताया कि BMW देखकर उनकी उत्सुकता बढ़ गई और उन्होंने राइडर से सीधे पूछ लिया- भाई, आप Uber क्यों चला रहे हैं? राइडर के जवाब ने उन्हें हैरान कर दिया। उसने बताया कि यह उसकी पहली Uber राइड थी और वह इसे पैसे कमाने के लिए नहीं कर रहा था।

आशीष जैन के मुताबिक, उस युवा ने बताया कि वह अलग-अलग लोगों से मिलना, उनसे बातचीत करना और उनके नजरिए को समझना चाहता था। उसके लिए ber चलाना नए अनुभव हासिल करने का एक तरीका था। बातचीत के दौरान राइडर ने अपनी कहानी भी साझा की। वह इंजीनियरिंग ग्रेजुएट था और पहले कई बिजनेस में हाथ आजमा चुका था। कुछ कोशिशों से उसे कमाई हुई, जबकि कुछ ने उसे मुश्किल अनुभवों से सीखने का मौका दिया। अब वह आगे मास्टर्स की पढ़ाई करने की तैयारी कर रहा है और इस दौरान नए अवसरों को तलाशना चाहता है। आशीष ने जब उससे BMW बाइक के बारे में पूछा, तो राइडर ने बताया कि उसने इसे अपने बिजनेस से कमाए पैसों से खरीदा था। इसमें उसके माता-पिता ने भी थोड़ी मदद की थी। आशीष के मुताबिक, उसकी बातों में किसी तरह का दिखावा नहीं था। वह अपनी मेहनत से हासिल की गई चीजों को लेकर सहज था। राइड खत्म होने से पहले राइडर ने एक और बात कही, जो आशीष को लंबे समय तक याद रही। उसने कहा कि उसे लोगों के साथ काम करना और इवेंट्स मैनेज करना पसंद है। इस मुलाकात के बाद आशीष ने लिखा कि उस शाम उन्हें एक अनजान राइडर से ऐसी सीख मिली, जिसकी उन्होंने उम्मीद नहीं की थी। उनके मुताबिक, प्रेरणा हमेशा CEO, बिजनेसमैन या किसी मशहूर लेखक से ही मिले, यह जरूरी नहीं है। कई बार किसी अजनबी के साथ हुई छोटी-सी बातचीत भी हमें अपने सपनों और सफर को लेकर नई सोच दे सकती है। उन्होंने कहा कि बड़े सपने देखने में कोई बुराई नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें पूरा करने का साहस और जुनून रखने की है।

यूजर्स गाइड

अभी तक नहीं आया टैक्स रिफंड? पोर्टल पर आसानी से चेक कर सकते हैं स्टेटस

अगर आपको भी इनकम टैक्स रिटर्न भरे 4-5 हफ्ते हो चुके हैं, तो आप अपने रिफंड का स्टेटस ऑनलाइन चेक कर सकते हैं। इसके लिए आपके पास इनकम टैक्स पोर्टल का अपना एक्टिव यूजर आईडी और पासवर्ड होना चाहिए। अगर आपके सीए ने रिटर्न भरा था, तो आप सीए से भी अपना एक्टिव आईडी और पासवर्ड लेकर रिफंड का स्टेटस चुटकियों में चेक कर सकते हैं। गौरतलब है कि अगर आपने अपनी असल टैक्स से ज्यादा टैक्स चुकाया है, तो आप रिफंड के हकदार होते हैं। आमतौर पर रिटर्न भरने के 4-5 हफ्तों के अंदर रिफंड खाते में आ जाता है। हालांकि अगर आपका रिफंड लेट है, तो आप बहुत आसानी से उसके स्टेटस को ट्रैक कर सकते हैं।

इसके लिए आपके पास सिर्फ इनकम टैक्स पोर्टल का अपना एक्टिव यूजर आईडी और पासवर्ड होना चाहिए। अगर आपका ITR आपके CA ने भरा था, तो आप अपने CA से भी अपना एक्टिव आईडी और पासवर्ड मांग सकते हैं। अपने रिफंड का स्टेटस चेक करने के लिए सबसे पहले इनकम टैक्स पोर्टल का अपना एक्टिव यूजर आईडी और पासवर्ड तैयार रखें। उस आईडी और पासवर्ड से अपने ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर लॉग-इन करें। लॉगइन करने के बाद e-File > Income Tax Returns > View Filed Returns पर जाएं। अब उस असेसमेंट ईयर को चुनें जिसके रिफंड को आप चेक करना चाहते हैं। यहां आपको अपने रिफंड का स्टेटस दिख जाएगा कि आपका रिटर्न प्रोसेस हो रहा है, हो चुका है या फिर फेल हो गया है। अगर आपका स्टेटस फेल दिखाई देता है, तो इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसे कि PAN-Aadhaar का लिंक न होना।

बैंक खाता प्री-वैलिडेट न होना। इसके अलावा कई बार PAN में दर्ज नाम और बैंक खाते में लिखे नाम के मेल ना खाने पर या गलत IFSC कोड देने की वजह से रिफंड का स्टेटस फेल दिखाता है।

रिफंड में देरी हो तो क्या करें?: अगर आपके रिफंड में जरूरत से ज्यादा देरी हो रही है, तो आपको इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से आए किसी भी नोटिस को चेक करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि किसी गड़बड़ी पर विभाग ईमेल भेजता है। भविष्य में किसी भी देरी से बचने के लिए ITR भरते समय सही बैंक डिटेल्स दर्ज करें, अपने बैंक अकाउंट को प्री-वैलिडेट रखें और अपने PAN को तुरंत आधार से लिंक करें।

न्यूज विंडो

हथनापुर में संभागायुक्त ने शासकीय संस्थानों का निरीक्षण कर ली जानकारी

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने सिवनी मालवा विकासखंड के ग्राम हथनापुर में शासकीय संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल, आंगनबाड़ी, उप स्वास्थ्य केंद्र और खाद-उर्वरक वितरण केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत देखी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं में लगातार सुधार और सभी अभिलेखों को अपडेट रखने के निर्देश दिए। प्राथमिक शाला हथनापुर में संभागायुक्त ने बच्चों के बीच बैठकर खुद शिक्षक की भूमिका निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों को गणित के सवाल सरल तरीके से समझाए और पाठ्यपुस्तक पढ़वाकर उनकी पठन क्षमता जांची। सामान्य ज्ञान के सवाल पूछकर बच्चों की समझ और सीखने की क्षमता भी परखी। बच्चों ने उत्साह के साथ सवालों के जवाब दिए। उन्होंने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता भी देखी। आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त बच्चों के बीच बैठ गए। उन्होंने रंगों की पहचान सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की जिज्ञासा, स्मरण शक्ति और सीखने की क्षमता का जायजा लिया। केंद्र के रजिस्टरों की जांच के साथ बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार और टेक होम राशन की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र प्रभारी से सैम और मैम श्रेणी के बच्चों की संख्या, उन्हें दिए जा रहे पोषण आहार और धात्री महिलाओं के पंजीयन की स्थिति पूछी। बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार का स्वाद लेकर उसकी गुणवत्ता भी जांची। ग्राम पंचायत ग्वाड़ी के उप स्वास्थ्य केंद्र हथनापुर में संभागायुक्त ने उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने रजिस्टरों की जांच करते हुए गर्भवती महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं, उपचार व्यवस्था और दवाइयों की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।

बाइक से मूंग खरीदी केंद्र पहुंचे कलेक्टर, देरी पर जताई नाराजगी

नर्मदापुरम/डोलरिया। मूंग उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो और उनकी उपज की समय पर तुलाई सुनिश्चित हो, इसके लिए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने डोलरिया तहसील के सोमलवाड़ा स्थित सफल एग्रोटेक वेयरहाउस का निरीक्षण किया। वेयरहाउस में मूंग की आवक के चलते मार्ग पर अधिक भीड़ और आवाजाही होने के कारण कलेक्टर बाइक से उपार्जन केंद्र पहुंचे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उपार्जन कार्य शुरू होने में देरी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से हर हाल में मूंग उपार्जन शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि समय पर खरीदी शुरू होने से किसानों की उपज की तुलाई जल्द हो सकेगी और उन्हें अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र पर किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही उपार्जन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कम से कम पांच तौल कांटे संचालित करने और किसानों की बढ़ती आवक को देखते हुए श्रमिकों की संख्या बढ़ाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपार्जन केंद्र पर सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहनी चाहिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी उपज का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से उपार्जन सुनिश्चित किया जा सके। बारदाने, तौल कांटे और श्रमिकों की पर्याप्त व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित सहकारी समिति की होगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, उपार्जन केंद्र के कर्मचारी और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

10 अगस्त को अमरकंटक आएंगे कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव

अनूपपुर/अमरकंटक। श्रावण मास के दूसरे सोमवार 10 अगस्त 2026 को पवित्र नगरी अमरकंटक में जलेश्वर महादेव को नर्मदा जल अर्पित करने के लिए कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव तथा कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय सचिव एवं मध्यप्रदेश प्रभारी प्रतापनारायण मिश्रा अमरकंटक पहुंचेंगे। कांग्रेस सेवादल अनूपपुर जिला अध्यक्ष डॉ. एहसान अली अंसारी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव एवं राष्ट्रीय सचिव तथा मध्यप्रदेश प्रभारी प्रतापनारायण मिश्रा 10 अगस्त को प्रातः अमरकंटक एक्सप्रेस ट्रेन से अनूपपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां से वे अमरकंटक के लिए रवाना होंगे। कार्यक्रम के अनुसार दोनों पदाधिकारी प्रातः लगभग 7 बजे मां नर्मदा मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना एवं आरती में शामिल होंगे। इसके पश्चात मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर जलेश्वर धाम के लिए रवाना होंगे और भगवान जलेश्वर महादेव का जलाभिषेक करेंगे। बताया गया कि कार्यक्रम के उपरांत वे वापस अनूपपुर लौटेंगे तथा दोपहर लगभग 2 बजे नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन से भोपाल के लिए रवाना होंगे।

10 दिवसीय नागद्वारी मेले का आयोजन आज से 17 अगस्त तक

पचमढ़ी में शुरू हुई प्रसिद्ध नागद्वारी यात्रा श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन ने की तैयारियां

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रसिद्ध नागद्वारी मंदिर के लिए 10 दिवसीय नागद्वारी मेले का आयोजन 8 अगस्त से 17 अगस्त तक किया जा रहा है। नर्मदापुरम जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित इस धार्मिक मेले को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए सभी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

नागद्वारी यात्रा का औपचारिक शुभारंभ 7 अगस्त से हो चुका है, जबकि पचमढ़ी की वादियों में 8 अगस्त यानी आज से 17 अगस्त तक 10 दिनों के लिए नागद्वारी मेले का संचालन होगा। इस दौरान लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी ड्यूटी स्थल पर तैनात किए जा चुके हैं। इस साल मेले को पूरी तरह से पर्यावरण - अनुकूल रखने का निर्णय लिया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। श्रद्धालुओं को प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपड़े के थैले उपलब्ध कराए जाएंगे।

वाहनों की सघन जांच व कड़े नियम

कलेक्टर के निर्देशानुसार, मेले में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन की गहन चेकिंग की जाएगी। वाहनों में ले जाई जाने वाली प्लास्टिक की बोतलों का हिसाब रखा जाएगा ताकि पचमढ़ी के प्राकृतिक क्षेत्र में कचरा न छूटे। यह नियम श्रद्धालुओं के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ियों पर भी समान रूप से लागू होगा।

स्वच्छता और कचरा प्रबंधन

मेले में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कचरा संग्रहण और उसके वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था की गई है। ड्यूटी पर तैनात विभिन्न विभागों को अपने-अपने स्टॉल और क्षेत्रों में डस्टबिन लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कचरा इधर-उधर न फैले।

स्वास्थ्य सुविधाएं और आपातकालीन सेवाएं

यात्रा के कठिन रास्तों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों को लगातार सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर श्रद्धालुओं को तुरंत प्राथमिक व आपातकालीन चिकित्सा मिल सके।

नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध

मेले की आध्यात्मिक व धार्मिक गरिमा बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार के नशीले व मादक पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। संबंधित विभागों की टीमें क्षेत्र में सतत निगरानी रखेंगी।

जमीन पर बैठकर विधायक-कलेक्टर ने सुनी समस्याएं

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शनिवार को बासौदा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत घटेरा के नवीन पंचायत भवन में मुख्यमंत्री जन विश्वास संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक हरिसिंह रघुवंशी एवं कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने ग्रामीणों और आवेदकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कार्यक्रम का सबसे खास और चर्चा में रहने वाला पहलू यह रहा कि विधायक हरिसिंह रघुवंशी और कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों के बीच सहजता से बैठे तो ग्रामीणों ने भी बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं खुलकर उनके सामने रखीं।

संवाद के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पेयजल, आवास, पेंशन, राजस्व सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं और शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलने से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके पर ही जानकारी ली। जिन प्रकरणों का

तत्काल निराकरण संभव था, उनका मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों को केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रखा जाए। प्रत्येक शिकायत का वास्तविक और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आवेदक को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि शासन की योजनाओं और जनकल्याणकारी सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से भी ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ हल करने की बात कही।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास संवाद का मुख्य उद्देश्य आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

आबकारी विभाग की कार्रवाई

650 किलो महुआ लाहन, 32 लीटर कच्ची शराब जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

अवैध मदिरा के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने इटारसी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 650 किलो महुआ लाहन और 32 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की है। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत पांच प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में मंडल प्रभारी अधिकारी अभिलाष पाठक के नेतृत्व में आबकारी वृत्त इटारसी शहर की टीम ने नाला मोहल्ला, सूरजगंज और गरीबी लाइन क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से 32 लीटर हाथ भट्टी मदिरा और 650 किलो महुआ लाहन जब्त किया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 71,400 रुपये बताई गई है। विभाग ने इस कार्रवाई में कुल पांच प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पडरिया, मुख्य आरक्षक राजेश गौर, धर्मेंद्र बारंगे एवं भावना यादव का सहयोग रहा। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और संग्रहण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

विहिप-बजरंग दल की प्रांत बैठक में नए दायित्वों की घोषणा

रविंद्र बने जिला मंत्री, लालचंद कोषाध्यक्ष और अभिषेक को जिला उपाध्यक्ष की दी जिम्मेदारी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की प्रांत बैठक राजगढ़ में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में विभिन्न जिलों के संगठनात्मक दायित्वों एवं आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान गंजबासौदा जिले से तीन कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं।बसंगठन के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा रविन्द्र ठाकुर को जिला मंत्री, लालचंद कुशवाहा को जिला कोषाध्यक्ष तथा अभिषेक शर्मा को जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। नए दायित्वों की घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा।

कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा समाज में सेवा, जनजागरण एवं संगठन विस्तार के कार्यों को गति देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की जिम्मेदारियों का सक्रियता से निर्वहन करने तथा कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान आगामी कार्यक्रमों, संगठन की गतिविधियों एवं विस्तार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन के कार्यों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को निरंतर सक्रिय रहकर सेवा एवं जनजागरण के कार्यों में सहभागिता करनी होगी। गंजबासौदा जिले के कार्यकर्ताओं ने रविंद्र ठाकुर, लालचंद कुशवाहा एवं अभिषेक शर्मा को नई जिम्मेदारियां मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व एवं सक्रियता से संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

टीकमगढ़ में शहीद स्थली की जमीन पर विवाद

सीमांकन में बाउंड्रीवाल-भवन का हिस्सा निजी भूमि पर निकला

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

टीकमगढ़ के एकमात्र अमर शहीद नारायणदास खरे की शहीद स्थली और मेला ग्राउंड की भूमि को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। राजस्व विभाग द्वारा हाल ही में किए गए सीमांकन में शहीद स्थल की बाउंड्रीवाल और सामुदायिक भवन के एक हिस्से को निजी भूमि पर अतिक्रमण बताया गया है। विवादित भूमि वर्तमान में दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के पुत्र अभिषेक यादव के नाम दर्ज बताई जा रही है। सीमांकन के बाद क्षेत्र में लोगों में नाराजगी व्याप्त है, वहीं कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला ने इस मामले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए जमीन के स्वामित्व की जांच कराने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद नारायणदास खरे की 1 दिसंबर 1947 को नरोसा नाला के पास हत्या कर दी गई थी। इसके बाद उनकी स्मृति में यहां शहीद स्थल विकसित किया गया और वर्षों से मेला आयोजित होता आ रहा है। बाद में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमृतलाल फणींद्र की समाधि भी इसी परिसर में बनाई गई। शासन द्वारा इस भूमि को मेला ग्राउंड के रूप में आवंटित किए जाने के बाद यहां बाउंड्रीवाल तथा सामुदायिक भवन का निर्माण कराया

गया था। इस बीच ग्राम अंतौरा के सरपंच पर भी भूमि खाली कराने का दबाव बनाए जाने की चर्चा है। हालांकि बड़ागांव धसान के तहसीलदार सत्यप्रकाश शुक्ला ने कहा कि सीमांकन का प्रतिवेदन अभी उनके सामने नहीं आया है और रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि विवादित भूमि उनकी पैतृक संपत्ति है और बिना अनुमति वहां बाउंड्री का निर्माण किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का वे पूरा सम्मान करते हैं तथा अपनी भूमि के बदले पास की खाली सरकारी भूमि देने का सुझाव प्रशासन को दिया है। अब यह मामला प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है।

भूमि वर्तमान में अभिषेक यादव के नाम दर्ज

बताया गया है कि 22 जुलाई को दो पटवारियों द्वारा किए गए सीमांकन में खसरा नंबर 137/1 के एक हिस्से पर 97म45, 15म5 तथा 14.5म15.5 फीट क्षेत्र में अतिक्रमण दर्ज किया गया। राजस्व अभिलेखों के अनुसार यह भूमि वर्तमान में अभिषेक यादव के नाम दर्ज है, जबकि पहले यह उनके पिता प्रताप नारायण यादव के नाम थी। कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला ने आरोप लगाया कि संबंधित भूमि वर्ष 1974 में कथित रूप से फर्जी बेचनामे के आधार पर दर्ज हुई थी। उनका कहना है कि उस समय खरीदी गई जमीन की कीमत 90 रुपये से अधिक होने पर स्टांप अनिवार्य था, लेकिन अभिलेखों में इसकी स्थिति संदिग्ध दिखाई देती है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, कार्रवाई रोकने तथा मामले से मुख्यमंत्री को अवगत कराने की बात कही है। विधायक ने चेतावनी दी कि यदि शहीद स्थल से कोई छेड़छाड़ हुई तो कांग्रेस आंदोलन करेगी और बड़ागांव तथा टीकमगढ़ बंद कराने पर भी विचार करेगी।

मेट्रो एंकर मंडीदीप स्थित इंडस्ट्रीज एसोसिएशन कार्यालय में प्रशासन और उद्योग जगत के बीच संवाद कार्यक्रम

उद्योगपतियों से सीधा संवाद, निवेश और रोजगार बढ़ाने पर जोर

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जनोन्मुखी पहल मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को मंडीदीप स्थित इंडस्ट्रीज एसोसिएशन कार्यालय में प्रशासन और उद्योग जगत के बीच महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भोपाल संभागायुक्त करमवीर शर्मा, उद्योग विभाग के आयुक्त दिलीप कुमार एवं रायसेन जिला कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने उद्योगपतियों एवं उद्यमियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव और आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की।

संवाद के दौरान औद्योगिक विकास, नए निवेश, रोजगार सृजन और शासन की औद्योगिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। संभागायुक्त करमवीर शर्मा ने कहा कि उद्योग और प्रशासन के बीच निरंतर संवाद से औद्योगिक विकास को नई गति मिलती है। शासन की प्राथमिकता है कि उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाए, जिससे प्रदेश में अधिक निवेश आकर्षित हो और रोजगार के नए

अवसर सृजित हों। उन्होंने उद्यमियों से नवाचार आधारित सोच के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि क्षेत्र में उपलब्ध कच्चे माल के आधार पर स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाने वाली इकाइयों की स्थापना की जाए। इससे न केवल स्थानीय उद्योगों को मजबूती मिलेगी, बल्कि निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि ऐसे प्रयासों में शासन हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। संभागायुक्त ने औद्योगिक इकाइयों में अग्नि सुरक्षा, श्रमिक सुरक्षा और महिला सुरक्षा से जुड़े सभी मानकों का कड़ाई से पालन करने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि उद्योगों में सुरक्षा व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए एवं श्रम कानूनों का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित किया जाए। उद्योग विभाग के आयुक्त दिलीप कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने उद्यमियों से शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर उद्योगों का विस्तार करने तथा स्थानीय युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मौजूद उद्योगपतियों ने इस संवाद को सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रशासन और उद्योग जगत के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है तथा औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं को गति मिलती है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, होशंगाबाद रेंज आईजी चन्द्रशेखर सोलंकी, अपर कलेक्टर मनोज उपाध्याय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में उद्योगपति उपस्थित रहे।

अनदेखी: ग्राम पंचायत सारसबगली में अव्यवस्थाओं से ग्रामीण परेशान, नियमित सफाई और समय पर पंचायत संचालन की उठी मांग

कीचड़ और गदंगी से सराबोर रास्ते , राहगीरों का निकलना भी हो रहा मुश्किल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत सारसबगली में मूलभूत सुविधाओं के अभाव, पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत कार्यालय नियमित रूप से संचालित नहीं होता, जिसके कारण उन्हें छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार पंचायत कार्यालय लगातार लगभग 15 दिनों तक बंद रहता है। ऐसे में प्रमाण पत्र, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर तथा अन्य पंचायत संबंधी कार्यों के लिए लोगों को सरपंच के घर जाना पड़ता है, जिससे समय और श्रम दोनों की बर्बादी होती है।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत क्षेत्र में लंबे समय से नालियों की नियमित सफाई नहीं कराई जा रही है। इसके कारण गांव की गलियों में कई जगह गंदा पानी कीचड़ तथा गंदगी का आलम बना हुआ है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। कीचड़ से होकर निकलने में ग्रामीणों,

महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ने की आशंका बनी हुई है। सरपंच से नालियों की सफाई कराने तथा रास्तों पर मौजूद अवरोध हटवाने की मांग की, ताकि लोगों और बच्चों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में सरपंच ने गंभीरता नहीं दिखाई। इतना ही नहीं, ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि शिकायत करने पर सरपंच ने असंवेदनशील टिप्पणी करते हुए कहा, कुछ भी हो जाए मुझे क्या लेना-देना। इस कथित बयान से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

कमलेश पटेल, शशी पटेल, हल्ले पटेल, रज्जू यादव, मुकेश पटेल, विवेक ठाकुर, रमा बाई, क्रांतिबाई, सरोज रानी सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराई जाए, पंचायत कार्यालय को निर्धारित समय पर नियमित रूप से खोला जाए तथा नालियों और सार्वजनिक स्थानों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। गांव की सड़कों और गलियों से अवरोध हटाकर सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो उन्हें व्यापक जनआंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। एसडीएम एवं प्रभारी सीईओ सीजी गोस्वामी ने कहा कि जानकारी प्राप्त हुई हैं मैं स्वंय जाकर पंचायत की स्थिती देख लेता हूं। अगर गड़बड़ी हैं तो कार्रवाई की जाएंगी।

न्यूज विंडो

पूर्व राज्यमंत्री पटेल ने विधायक निवास पर सुनी लोगों की समस्याएं

नरसिंहपुर। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा विधायक निवास पर आयोजित जनसुनवाई में इस सप्ताह 297 आवेदन प्राप्त हुए। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं मांगें पटेल के समक्ष रखीं। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया। जनसुनवाई आमजन और जनप्रतिनिधि के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं। त्वरित कार्रवाई और सकारात्मक पहल से लोगों में जनसुनवाई के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। जालम सिंह पटेल ने कहा कि जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि इस सप्ताह आयोजित जनसुनवाई में कुल 297 आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं के निराकरण का यह क्रम लगातार जारी है।

घर से निकली छात्रा नहीं लौटी, अगले दिन महेंद्र सागर तालाब में मिला शव

टीकमगढ़। शहर में एक दिन पहले लापता हुई 12वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा का शव गत दिवस शाम महेंद्र सागर तालाब में मिला है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने शव की पहचान गुरुवार से लापता छात्रा के रूप में की। जानकारी के अनुसार टीकमगढ़ शहर निवासी 12वीं की छात्रा गुरुवार दोपहर घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद रात करीब आठ बजे कोतवाली पुलिस को उसकी गुमशुदगी की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने शहर के विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में छात्रा दोपहर के समय अकेले जाती हुई दिखाई दी, लेकिन उसके बाद उसकी गतिविधियों का कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिल सका। पुलिस और परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे रहे। गत दिवस शाम करीब 4 बजे महेंद्र सागर तालाब में एक युवती का शव तैरता हुआ दिखाई देने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और पहचान के लिए परिजनों को बुलाया। परिजनों ने शव की पहचान गुरुवार से लापता छात्रा के रूप में की। कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक ने बताया कि छात्रा की गुमशुदगी की सूचना गुरुवार रात प्राप्त हुई थी, जिसके बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है, हालांकि अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

रिश्वत के ऑडियो ने मचाया हड़कंप एसपी ने आरक्षक को किया निलंबित

शहडोल। पपौंध थाना में पदस्थ एक आरक्षक का कथित तौर पर रिश्वत मांगने से जुड़ा कथित ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने बड़ी कार्रवाई की है। एसपी ने आरक्षक क्रमांक 608 सुरेश सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पुलिस लाइन में हाजिर होने के आदेश जारी किए हैं। कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप की स्थिति है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में आरक्षक सुरेश सिंह का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें वह एक मामले में पीड़ित पक्ष से कथित तौर पर पांच हजार रुपये की मांग करता सुनाई दे रहा है। ऑडियो में आरक्षक द्वारा पीड़ित से कहा जा रहा है कि रुपये देने पर काम हो जाएगा। यदि काम नहीं हुआ तो रुपये वापस करने की बात भी कही गई थी। हालांकि वायरल ऑडियो की सत्यता और उसमें हुई बातचीत की परिस्थितियों की जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट होगी। ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया। इसके बाद आरक्षक 608 सुरेश सिंह को निलंबित कर पुलिस लाइन में हाजिर होने का आदेश दिया गया। विभागीय स्तर पर मामले की जांच भी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि जिले के सभी थाना और पुलिस चौकियों में पदस्थ पुलिस अधिकारी-कर्मचारी आम लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें। पुलिस जनता की सहायता और सुरक्षा के लिए है। यदि किसी पुलिसकर्मी द्वारा आम लोगों के साथ गलत व्यवहार किया जाता है या किसी प्रकार की अनियमितता की शिकायत सामने आती है तो उसे गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमरकंटक में पार्किंग वसूली का खेल: निजी काम से आने वाले लोगों से भी शुल्क लेने की शिकायत

300 वाहन, रोजाना 15 हजार रुपए से अधिक की वसूली, जमा सिर्फ 3-4 हजार

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में पार्किंग शुल्क वसूली को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिस व्यवस्था का उद्देश्य निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों से नियमानुसार शुल्क लेना है, वहीं व्यवस्था अब कथित तौर पर ऐसी वसूली स्थानीय स्तर पर सामने आ रही शिकायतों के अनुसार अमरकंटक में घूमने आने वाले पर्यटकों के साथ-साथ अपने व्यक्तिगत काम से आने वाले लोगों से भी पार्किंग शुल्क वसूले जाने की बात कही जा रही है। ऐसे में सबसे पहला सवाल यही है कि पार्किंग ठेके के एग्रीमेंट में शुल्क वसूली की वास्तविक सीमा क्या तय की गई है।

यदि पार्किंग ठेका केवल निर्धारित पार्किंग स्थल में वाहन खड़ा करने के एवज में शुल्क वसूली के लिए है, तो फिर किसी व्यक्ति के निजी काम से अमरकंटक आने पर उससे शुल्क किस आधार पर लिया जा रहा है? क्या ठेकेदार को हर आने-जाने वाले वाहन से शुल्क लेने की अनुमति है, अथवा शुल्क केवल उस वाहन पर लागू है जो निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में खड़ा किया जाता है? इस सवाल का जवाब नगर पालिका के पार्किंग ठेका अनुबंध और उसकी शर्तों से आसानी से मिल सकता है। इसलिए प्रशासन को सबसे पहले ठेके का मूल एग्रीमेंट सार्वजनिक कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वसूली का अधिकार कहां तक दिया गया है।

जांच का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु रसीदों का मिलान होना चाहिए। संबंधित अधिकारी यह पता लगाएं कि ठेकेदार को कितनी रसीदें उपलब्ध कराई गईं, उनके क्रमांक क्या हैं, कितनी रसीदें वाहन चालकों को दी गईं और उनके एवज में कितनी राशि वसूली गई। इसके बाद यह भी मिलान किया जाए कि उसी अवधि में नगर पालिका के खाते में कितनी रकम जमा हुई। यदि रसीदों की संख्या और जमा रकम में अंतर मिलता है तो उसके कारण की जवाबदेही तय करना जरूरी होगा। स्थानीय स्तर पर सामने आ रहे आंकड़ों के अनुसार प्रतिदिन लगभग 300 वाहनों से करीब 15 हजार रुपए तक की वसूली होने की बात कही जा रही है। हालांकि इन आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है। यदि वास्तव में इतनी संख्या में वाहन पार्किंग में आते हैं और निर्धारित शुल्क के हिसाब से इतनी राशि वसूली जाती है, तो नगर पालिका के पास प्रतिदिन की वसूली का स्पष्ट रिकॉर्ड होना चाहिए। सबसे गंभीर सवाल यहां खड़ा होता है। आरोप है कि प्रतिदिन लगभग 15 हजार रुपए तक की वसूली के मुकाबले नगर पालिका में केवल 3 से 4 हजार रुपए के आसपास राशि जमा की जा रही है। यदि यह अंतर जांच में सही पाया जाता है तो यह महज मामूली विसंगति नहीं होगी। करीब 11-12 हजार रुपए प्रतिदिन के संभावित अंतर का हिसाब सामने आना जरूरी होगा।

मंदिर क्षेत्र के पास तालाब वाली पार्किंग पर भी सवाल

सबसे ज्यादा चर्चा मंदिर क्षेत्र के समीप तालाब के पास की जा रही पार्किंग वसूली को लेकर है। आरोप है कि यहां वाहन चालकों से शुल्क लिया जा रहा है, लेकिन रसीद व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि यह पार्किंग अधिकृत है तो वहां शुल्क वसूली की प्रक्रिया, रसीद का प्रारूप, रसीद क्रमांक और दैनिक जमा राशि का पूरा रिकॉर्ड होना चाहिए, लेकिन यदि निर्धारित पार्किंग सीमा से बाहर जाकर शुल्क लिया जा रहा है तो यह जांच का विषय है कि ठेकेदार को वास्तव में कितनी जगह और कितने वाहनों से शुल्क वसूलने की अनुमति दी गई है। मामले का दूसरा गंभीर पहलू रसीदों को लेकर सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि नगर पालिका अमरकंटक के पास इलेक्ट्रॉनिक/प्रिंटिंग मशीन उपलब्ध है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब इलेक्ट्रॉनिक अथवा मशीन आधारित रसीद व्यवस्था उपलब्ध है, तो मौके पर छपी हुई या मैनुअल रसीदों का इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है? यदि दोनों तरह की रसीदों की अनुमति है तो नगर पालिका को यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस परिस्थिति में कौन सी रसीद जारी करने की अनुमति है और उसका हिसाब किस तरह रखा जाता है।

मतदान केंद्र की अनदेखी की जांच की मांग

नगर की क्षतिग्रस्त पड़ीं सड़कें-पुलिया और अधिकारियों की अनुपस्थिति पर उठे सवाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के सब डिवीजन मुख्यालय होने के बावजूद कई विभागीय अधिकारियों के मुख्यालय पर नियमित रूप से उपस्थित न रहने का मामला स्थानीय नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का आरोप है कि संबंधित अधिकारी न तो कार्यालय में नियमित रूप से उपलब्ध रहते हैं और न ही आमजन की समस्याओं का समय पर निराकरण हो पाता है, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में आयोजित जनसुनवाई के दौरान भी अधिकारियों की अनुपस्थिति एवं शिकायतों के लंबित रहने पर एसडीएम सीजी गोस्वामी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को चेतावनी पत्र जारी किए थे। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग की एसडीओ मनीषा मोगनिया शासकीय वाहन से तेंदूखेड़ा आकर पुनः दमोह लौट जाती हैं, जिससे मुख्यालय पर उनकी

नियमित उपलब्धता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाली कई सड़कें तथा पुल-पुलिया लंबे समय से क्षतिग्रस्त हैं, लेकिन उनकी मरम्मत की दिशा में अपेक्षित प्रगति दिखाई नहीं दे रही है। वहीं विभागीय कार्यालय में अधिकांश समय केवल कर्मचारी संजीव डिक्सन, लक्ष्मी गौड़ एवं लखन प्रजापति ही उपस्थित रहते हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इसी बीच लोक निर्माण विभाग कार्यालय में लगभग छह माह पूर्व कराए गए रंग-रोगन एवं पुट्टी कार्य को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार जिस हॉल का उपयोग नगर परिषद, विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों के दौरान मतदान केंद्र के रूप में किया जाता है, उसी हॉल में रंगाई-पुताई नहीं कराई गई, जबकि पूरे कार्यालय में कार्य होने का दावा किया गया था। नागरिकों का आरोप है कि कार्य पर राशि खर्च होने के बावजूद मतदान केंद्र वाले हिस्से की उपेक्षा की गई। बताया जा रहा है कि यह हॉल पिछले लगभग छह माह से बंद है, जिससे इसकी वास्तविक स्थिति आम लोगों के सामने नहीं आ सकी है। हालांकि क्षेत्र में वन विभाग के एसडीओ प्रतीक दुबे, वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांश जैन तथा एसडीएम सीजी गोस्वामी महिला बाल विकास के प्रभारी परियोजना अधिकारी राजू नामदेव ,सीबीएमओ डॉक्टर अशोक बरोनिया, तहसीलदार डॉक्टर विवेक व्यास से अधिकारी मुख्यालय पर रहकर या नियमित आकर फील्ड भ्रमण एवं जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बुरहानपुर कलेक्टोरेट में सरपंच ने कथित रूप से पिया कीटनाशक, अस्पताल में भर्ती

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्टर कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्राम सीतापुर के सरपंच अमर सिंह मंडलोई ने कथित रूप से कीटनाशक पी लिया। घटना के बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, सरपंच अमरसिंह मंडलोई अपनी शिकायत लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। उनका आरोप है कि ग्राम पंचायत में हुए कथित भ्रष्टाचार को उजागर करने के कारण उन्हें सचिव तुकाराम, सहायक सचिव प्रजापति तथा नेपानगर विधायक मंजू दादू का नाम लेते हुए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। उनका यह भी आरोप है कि उन्हें जान से मारने की धमकियां दी जा रही थीं। इसी से आहत होकर उन्होंने कलेक्टर कार्यालय परिसर में कथित रूप से कीटनाशक पी लिया।

घटना के बाद कलेक्टर कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जबकि सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इस बीच कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय रघुवंशी ने अस्पताल पहुंचकर घटना को गंभीर बताते हुए जिले में भ्रष्टाचार और दबाव की राजनीति के आरोप लगाए तथा निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं जिला अस्पताल से परिजनों ने मरीज को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा समय समय पर मॉनिटरिंग की जा रही है। लालबाग थाना प्रभारी अमित जादौन ने बताया कि अभी तक न तो पीड़ित के परिजनों द्वारा कोई लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है और न ही पीड़ित के बयान लिए जा सके हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही पीड़ित या उनके परिजनों की ओर से शिकायत प्राप्त होगी, मामले की जांच कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटे हैं। सरपंच द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

मेट्रो एंकर खुरई के कॉन्वेंट स्कूल परिसर में 120 से अधिक बिस्तर मिलने पर भड़के हिन्दू संगठन

धर्म परिवर्तन के शक पर बवाल, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर जिले के खुरई शहर के अंतर्गत आने वाले बीना रोड पर स्थित होली फैमिली कॉन्वेंट स्कूल में बीते दिन की शाम धर्म परिवर्तन की आशंका को लेकर जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलते ही विश्व हिन्दू परिषद समेत विभिन्न हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और परिसर में प्रवेश की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। बढ़ते विवाद के बीच खुरई, बीना, खिमलासा समेत आसपास के थानों से पुलिस बल बुलाना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार, देर रात तक यहां हिंदू संगठनों का प्रदर्शन जारी रहा और पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी रही। जानकारी के अनुसार बीते दिन शाम करीब सात बजे लोगों को सूचना मिली कि, होली फैमिली कॉन्वेंट स्कूल परिसर में बड़ी संख्या में हिन्दू परिवार

मौजूद हैं, क्योंकि वहां धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। उनका दावा है कि, परिसर के अंदर करीब 120 बिस्तर लगे मिले तथा वहां उड़ीसा, बिहार और झारखंड से आए पुरुष, महिलाएं और बच्चे मौजूद थे।

हिन्दू संगठनों का आरोप है कि इन लोगों को धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से यहां लाया गया था। वहीं, कार्यक्रम में शामिल लोगों का कहना था कि, वो एक धार्मिक दीक्षा कार्यक्रम में भाग लेने आए हैं। इसको लेकर मौके पर मौजूद लोगों ने सवाल उठाए कि, अगर सभी परिवार हिन्दू हैं तो वो किस प्रकार के दीक्षा कार्यक्रम में शामिल होने आए हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि, उनके पहुंचते ही स्कूल प्रबंधन ने मुख्य गेट बंद कर दिया, जिससे संदेह और बढ़ गया। प्रदर्शन तेज होने पर बीना एसडीओपी अजय कुमार सनकत, खुरई ग्रामीण थाना प्रभारी संतोष सिंह दांगी, शहर थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह दांगी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया।

गलत नहीं तो अंदर जाने से क्यों रोका

विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि, संगठन को धर्म परिवर्तन की सूचना मिली थी, जिसके बाद कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। उनका आरोप है कि अगर परिसर में कोई गलत गतिविधि नहीं हो रही थी तो प्रवेश से क्यों रोका गया। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित लोगों से पूछताछ कर नियमानुसार जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं, हिन्दू संगठन मौके पर मौजूद लोगों से तत्काल पूछताछ और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग पर देर रात तक अड़े रहे। वहीं, मामले को लेकर खुरई बीईओ आरएस शर्मा का कहना है कि, स्कूल प्रबंधन से इस संबंध में चर्चा की गई साथ ही जो लोग वहां मिले हैं उनसे भी बात की है, जिनमें उन्होंने बताया कि वो ईसाई है। इस संबंध में अभी जानकारी ली जा रही है।

वन-डे सीरीज में अफगान की 1-0 से बढ़त, जादरान ने खेली 84 रनों की पारी

राशिद खान का 'छक्का' पड़ा आयरलैंड पर भारी, अफगानिस्तान की 92 रनों से जीत

ब्रेडी/डबलिन, एजेंसी

अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के खतरनाक स्पिनरों में क्यों गिना जाता है। ब्रेडी में खेले गए दूसरे वनडे में राशिद ने गेंद से ऐसा 'छक्का' लगाया कि आयरलैंड की पूरी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। उन्होंने महज 7.4 ओवर में 34 रन देकर छह विकेट झटके और अफगानिस्तान को 92 रन से शानदार जीत दिला दी। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47 ओवर में आठ विकेट पर 299 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड की टीम 33.4 ओवर में 207 रन पर सिमट गई। यानी अफगानिस्तान ने 92 रन से मुकाबला अपने नाम किया।

राशिद आए और आयरलैंड की पारी ढह गई

राशिद ने पहले बालबर्नी को 36 रन पर आउट किया। इसके बाद हैरी टकर उनका शिकार बने। केड कारमिकल ने 62 रन बनाकर आयरलैंड को मुकाबले में बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन अजमतुल्लाह ओमरजई ने उनकी पारी खत्म कर दी। इसके बाद राशिद ने बेन कालिट्ज, कर्टिस कैंफर, जै मोन्द्रा और बायरन मैकडोनो को आउट कर आयरलैंड की पारी समेट दी। राशिद के छह विकेटों ने आयरलैंड के मध्य और निचले क्रम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। ओमरजई ने भी दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया।

वनडे में तीसरी बार 6 विकेट का प्रदर्शन

वनडे क्रिकेट में यह राशिद खान का तीसरा छह विकेट का प्रदर्शन है। इस तरह वह वनडे में तीन बार छह या उससे अधिक विकेट लेने वाले चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। उनकी 6/34 की गेंदबाजी इस मुकाबले में निर्णायक साबित हुई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक यह उनके वनडे करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में भी शामिल है। इस जीत से अफगानिस्तान ने पांच मैचों की सीरीज में बढ़त हासिल कर ली है। अब दोनों टीमों के बीच अगला मुकाबला 10 अगस्त को स्टॉर्मोंट में खेला जाएगा। सीरीज के बाकी मुकाबले 12 और 15 अगस्त को भी होने हैं। अफगानिस्तान के लिए यह जीत सिर्फ सीरीज में बढ़त नहीं है, बल्कि टीम की गेंदबाजी ताकत का बड़ा संकेत भी है। राशिद की फिरकी और जादरान की बल्लेबाजी ने मिलकर आयरलैंड को बता दिया कि इस पांच मैचों की सीरीज में उसे किसी भी स्तर पर ढील की गुंजाइश नहीं मिलेगी।

जादरान ने रखी जीत की नींव

अफगानिस्तान की पारी में इब्राहिम जादरान सबसे बड़े नायक रहे। उन्होंने 97 गेंदों में आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 84 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 32 रन की तेज पारी खेली, जबकि सेदिकुल्लाह अटल के साथ जादरान ने उपयोगी साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बाद में रहमत शाह, अजमतुल्लाह ओमरजई, दरविश रसूल और हसमतुल्लाह शाहिदी ने स्कोर को 299 तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अफगानिस्तान का 299 रन का स्कोर आयरलैंड के लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन शुरुआत में मेजबान टीम ने इसका जवाब भी दिया। एंडी बालबर्नी और केड कारमिकल के बीच दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी ने अफगानिस्तान को कुछ समय के लिए दबाव में ला दिया। यहीं से राशिद ने मैच की दिशा बदल दी।

स्कॉटलैंड ने जीता 5000वां वनडे मुकाबला

फेनली मैकक्रीथ के शतक से कनाडा को 9 रन से हराया

डंडी, एजेंसी

वनडे क्रिकेट के ऐतिहासिक 5000वें मुकाबले में स्कॉटलैंड ने कनाडा को रोमांचक अंदाज में 9 रन से हरा दिया। आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 के इस मुकाबले में स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 281 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम 49.2 ओवर में 272 रन पर ऑलआउट हो गई।

स्कॉटलैंड की जीत के नायक फिनले मैकक्रीथ रहे। उन्होंने 140 गेंदों पर 112 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें नौ चौके और दो छक्के शामिल थे। उनकी पारी ने टीम को मजबूत आधार दिया। अंत में सफयान शरीफ ने सिर्फ आठ गेंदों पर नाबाद 22 और ओलिवर डेविडसन ने चार गेंदों पर नाबाद 11 रन बनाकर स्कोर को 281 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए कनाडा के युवराज समरा ने 65 गेंदों पर 78 रन बनाकर मुकाबले को रोचक बनाए रखा। कप्तान साद बिन जफर ने नाबाद 40 और अंश पटेल ने 41 रन बनाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। लेकिन 49वें ओवर ने पूरा मैच पलट दिया। अंश पटेल 41 रन पर रनआउट हुए और इसी ओवर में जैनुल्लाह इहसान ने कलीम सना को बोल्ड कर दिया। अंतिम ओवर में सफयान शरीफ ने जाहिद शिरजाद को आउट कर कनाडा की पारी समेट दी। स्कॉटलैंड ने ऐतिहासिक मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैकक्रीथ का शतक जीत की मजबूत नींव

फिनले मैकक्रीथ ने वनडे क्रिकेट के 5000वें मुकाबले को अपने शतक से यादगार बना दिया। उन्होंने 140 गेंदों पर 112 रन बनाए और अपनी पारी में नौ चौके व दो छक्के लगाए। शुरुआती झटके के बाद उन्होंने स्कॉटलैंड की पारी को संभाला और बड़े स्कोर की नींव रखी। रिची बेरिंगटन ने 29 और माइकल जोंस ने 36 रन का योगदान दिया। आखिरी ओवरों में सफयान शरीफ ने आठ गेंदों पर नाबाद 22 रन और ओलिवर डेविडसन ने चार गेंदों पर नाबाद 11 रन बनाकर स्कॉटलैंड को 281 रन तक पहुंचाया। मैकक्रीथ को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

साक्षी ने खोला सफलता का राज... रिंग की जीत में 'किंग कोहली' का रहा है साथ

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली साक्षी चौधरी ने अपनी सफलता के पीछे भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली के योगदान का खुलासा किया है। साक्षी के मुताबिक, कॉरियर के मुश्किल दौर में विराट और उनकी फाउंडेशन ने करीब तीन साल तक उनका समर्थन किया। इस मदद ने उन्हें आर्थिक चिंताओं से दूर रहकर पूरी तरह अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने का मौका दिया।

आईएनएस से बातचीत में साक्षी ने विराट को अपना आदर्श बताते हुए उनके प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि जब परिस्थितियां उनके लिए चुनौतीपूर्ण थीं, तब विराट उनके स्पॉन्सर बने और लगातार सहयोग दिया। साक्षी के अनुसार, विराट की अनुशासन, निरंतरता और दबाव में शांत रहने की क्षमता उन्हें हमेशा प्रेरित करती रही है। ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में साक्षी ने महिलाओं के 51 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड की रूबी व्हाइट को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह उनके करियर की बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। साक्षी की कहानी यह भी बताती है कि किसी खिलाड़ी की सफलता के पीछे प्रतिभा और मेहनत के साथ सही समय पर मिला समर्थन कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। विराट का सहयोग उनके लिए उसी तरह का सहारा बना, जिसने उन्हें बड़े मंच पर आत्मविश्वास के साथ उतरने में मदद की।

विराट का अनुशासन मुझे प्रेरित करता है

साक्षी चौधरी ने विराट कोहली को अपना आदर्श बताते हुए कहा कि उनके कॅरियर के मुश्किल दौर में विराट और उनकी फाउंडेशन का सहयोग बेहद अहम रहा। उन्होंने करीब तीन साल तक साक्षी को स्पॉन्सर किया। साक्षी के मुताबिक, इस मदद से उन्हें आर्थिक चिंता से मुक्त होकर ट्रेनिंग और प्रतियोगिताओं पर ध्यान देने का अवसर मिला। वह विराट की अनुशासनप्रियता, निरंतरता और दबाव में शांत रहने की क्षमता से काफी प्रभावित हैं।

फीफा विश्वकप : पुलिस डोजियर में चौंकाने वाला खुलासा

लियोनेल मेसी को मिली थी बम से उड़ाने की धमकी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 भले ही मैदान पर रोमांचक मुकाबलों और यादगार पलों के लिए जाना गया हो, लेकिन टूर्नामेंट के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के सामने कई गंभीर चुनौतियां भी आईं। अर्जेंटीना के कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को कथित तौर पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। पुलिस डोजियर में दर्ज घटनाओं का हवाला देते हुए सामने आई एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों, अधिकारियों और उनके परिवारों को निशाना बनाने की कई धमकियां मिली थीं। इनमें मेसी के खिलाफ मिली धमकियां सबसे गंभीर और विशिष्ट बताई गईं। एक मामले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अधिकारियों को फोन कर कहा कि वह दो अन्य लोगों के साथ डलास के स्टेडियम की ओर जा रहा है। उसके पास कथित तौर पर होममेड बम और एक 15 राइफल थी। उसने पुलिस अधिकारियों और दोनों टीमों के खिलाड़ियों को निशाना बनाने की बात कही और विशेष रूप से मेसी का नाम लिया।

चार बम लेकर स्टेडियम में घुसूंगा

मेसी को लेकर एक और धमकी अर्जेंटीना और मिस्र के बीच सात जुलाई को खेले गए मुकाबले से जुड़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि पोस्ट करने वाला व्यक्ति अटलांटा स्टेडियम में प्रवेश करने वाला है और उसके शरीर पर चार बम बंधे हुए हैं। उस पोस्ट में कथित तौर पर लिखा था, 'मैं अटलांटा स्टेडियम में जाकर अपने शरीर पर बंधे चार बमों से मेसी को उड़ा दूंगा।' इस पोस्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं।

रोनाल्डो भी रहे सुरक्षा एजेंसियों की नजर में

सिर्फ मेसी ही नहीं, पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लेकर भी कई घटनाएं सामने आईं। 14 जून को फीफा के एक कर्मचारी ने अधिकारियों को सूचना दी कि एक व्यक्ति रोनाल्डो के ठहरने की जगह की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद ह्यूस्टन पुलिस ने उस होटल से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जहां रोनाल्डो और पुर्तगाल की टीम ठहरी हुई थी। टोरंटो में भी एक अन्य व्यक्ति को रोनाल्डो के साथ लिफ्ट में जाने की कोशिश करने के बाद हिरासत में लिया गया। उसने पुलिस को कथित तौर पर बताया कि वह सिर्फ रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेना चाहता था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कर्नाटक में सबसे ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

साउथ एक्टर यश की पैन इंडिया फिल्म 'टॉक्सिक' का आज ट्रेलर रिलीज हो रही है। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में भी दस्तक देगी। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म को लेकर बड़ा फैसला लिया है। यह फिल्म कर्नाटक में सबसे ज्यादा स्क्रीन्स और शोज के साथ रिलीज होगी।

फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर यश के फैंस के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह फिल्म कर्नाटक में सबसे ज्यादा स्क्रीन्स और शोज के साथ रिलीज होने जा रही है। मेकर्स चाहते हैं कि कर्नाटक में यश की इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी ओपनिंग मिले।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बेंगलुरु में भी पहले दिन सबसे ज्यदा स्क्रीनिंग फिल्म 'टॉक्सिक' के पास होंगी। किसी फिल्म को थिएटर में दिखाने के मामले में यह एक नया बेंचमार्क साबित होगा। यहां तक की फैंस के उत्साह को देखते हुए फिल्म 'टॉक्सिक' के मेकर्स सुबह-सुबह और स्पेशल शोज भी प्लान कर रहे हैं, जिससे राज्य भर के दर्शक पहले दिन से ही बड़ी संख्या में फिल्म देख सकें। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म 'टॉक्सिक' को कर्नाटक में यही दोनों प्रोडक्शन हाउस खुद ही डिस्ट्रीब्यूट कर रहे हैं।

नजर आएंगे ये सितारे

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के एक्शन अंदाज दर्शकों को देखने को मिलेगा।

'रामायण' में भी आएंगे नजर

फिल्म 'टॉक्सिक' में हीरो का लीड रोल निभा रहे अभिनेता यश नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में भी नजर आएंगे। यह फिल्म दिवाली से दो दिन पहले रिलीज होगी। 'रामायण' में यश रावण का रोल निभाएंगे। वहीं भगवान राम की भूमिका में रणबीर कपूर और माता सीता के रोल में साई पल्लवी नजर आएंगी।

बहन के पर्स से पैसे निकालते थे सैफ अली खान और रक्षा बंधन पर वही रकम गिफ्ट में दे देते थे : सबा पटौदी

सैफ अली खान की बहन सबा पटौदी ने हाल ही में बताया कि सैफ कई बार उनके पर्स से पैसे निकाल लेते थे और बाद में वही रकम रक्षा बंधन पर गिफ्ट के रूप में दे देते थे। यह बात उन्होंने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के यूट्यूब शो में बताई।

सैफ अली खान, सोहा अली खान और सबा पटौदी ने अपने बचपन का बड़ा हिस्सा पटौदी परिवार के महल में बिताया। हालांकि, सोहा ने बताया कि घर में उन्हें कभी शाही जिंदगी जैसा एहसास नहीं कराया गया। उनके पिता पूर्व क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी बच्चों को खर्चों की अहमियत समझाते थे। सोहा ने कहा कि उनके पिता घर में बिजली बचाने पर जोर देते थे और पीले रंग के पोस्ट-इट नोट्स पर लाइट बंद करने की याद दिलाते थे। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन में दोस्तों के घर जाने की अनुमति कई बार इसलिए नहीं मिलती थी क्योंकि उनके पिता का मानना था कि पेट्रोल पर फालतू का खर्च नहीं होना चाहिए। बातचीत के दौरान सबा पटौदी ने पॉकेट मनी का जिक्र करते हुए बताया कि उन्हें और सोहा को 100 रुपए मिलते थे। वहीं, उस समय सैफ अली खान इंग्लैंड में पढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान सोहा ने हंसते हुए कहा कि सैफ पैसे चुरा लेते थे। इस पर सबा ने मजाकिया अंदाज में बताया कि जब वे इंग्लैंड जाती थीं, तो उन्हें 5 पाउंड मिलते थे, जिन्हें सैफ अक्सर उधार ले लेते थे। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार सैफ उनके पर्स से पैसे निकाल लेते थे और बाद में वही रकम रक्षा बंधन पर गिफ्ट के रूप में वापस दे देते थे।

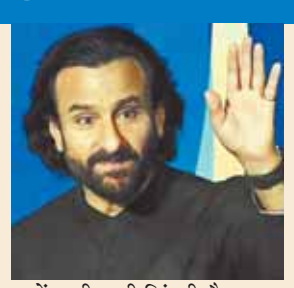

मेट्रो बाजार

एसबीआई: पहली तिमाही में लाभ 14 % बढ़कर 24113 करोड़ हुआ

भारतीय स्टेट बैंक ने शुक्रवार को को जून तिमाही के अपने वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं। इस दौरान बैंक का समेकित शुद्ध लाभ 13.73 फीसदी बढ़कर 24,113 करोड़ रुपये हो गया है। यह वृद्धि मुख्य आय में सुधार और प्रावधानों में कमी के कारण हुई है। एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ सालाना 10.23 फीसदी बढ़कर 21,121.22 करोड़ रुपये रहा। अप्रैल-जून 2025 में यह 19,160.44 करोड़ रुपये था, जैसा कि नियामक फाइलिंग में बताया गया है। बैंक की मुख्य शुद्ध ब्याज आय करीब 15 फीसदी बढ़कर 46,992 करोड़ रुपये पहुंच गई। सकल अग्रिमों में 18.63 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन तीन फीसदी तक सिकुड़ गया। तिमाही-दर-तिमाही तुलना में इसमें 0.07 फीसदी का विस्तार देखा गया।

बैंक की गैर-ब्याज आय 9 फीसदी घटकर 15,293 करोड़ रुपये रही। इसमें विदेशी मुद्रा या डेरिवेटिव आय में 70 फीसदी की बड़ी गिरावट मुख्य कारण रही। बैंक की जमा वृद्धि 9.73 फीसदी दर्ज की गई है। कम लागत वाले चालू और बचत अग्रिमों की हिस्सेदारी सालाना 0.12 फीसदी घटकर 39.36 फीसदी हो गई। अध्यक्ष सीएस सेट्टी ने पत्रकारों को बताया कि बैंक का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 में 14-15 फीसदी की ऋण वृद्धि हासिल करना है। उन्होंने कहा कि 10-11 फीसदी की जमा वृद्धि इस लक्ष्य को वित्तपोषित कर सकेगी। बैंक ने एफसीएनआर (बी) विंडो के तहत 6 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। सेट्टी ने उम्मीद जताई कि सितंबर में विशेष विंडो बंद होने तक यह आंकड़ा 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।

अनिल अग्रवाल की वेदांता ने डीमर्जर के बाद अंबानी की रिलायंस को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड ने डीमर्जर के बाद निवेशकों के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। जून 2026 को समाप्त तिमाही में कंपनी खुदरा निवेशकों के बीच सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कंपनियों में शीर्ष पर रही। इस दौरान करीब 4.9 लाख नए रिटेल शेयरधारक वेदांता से जुड़े। खास बात यह है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी FII ने भी कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है।

कैपिटलाइन के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी Q1 FY27 में वेदांता के शेयरधारकों की संख्या में करीब 4.9 लाख की बढ़ोतरी हुई। कैपिटलाइन द्वारा ट्रैक की गई कंपनियों में यह सबसे बड़ी वृद्धि रही। इस मामले में वेदांता ने विप्रो, बजाज ऑटो, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। इन कंपनियों में भी तिमाही के दौरान खुदरा निवेशकों की संख्या बढ़ी, लेकिन वेदांता में हुई बढ़ोतरी सबसे ज्यादा रही। इसके उलट टाटा मोटर्स पीवी, यस बैंक, सुजलॉन एनर्जी, अडानी ग्रीन एनर्जी और बीएचईएल जैसी कंपनियों में खुदरा शेयरधारकों की संख्या में कमी दर्ज की गई।

वेदांता में सिर्फ छोटे निवेशकों की दिलचस्पी नहीं बढ़ी, बल्कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी में भी इजाफा हुआ है। कंपनी में FII हिस्सेदारी 31 मार्च 2026 के 13.93% से बढ़कर 30 जून 2026 को 15.77% हो गई। यह बढ़ोतरी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दौरान भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों का रुझान अपेक्षाकृत कमजोर रहा। NSE पर सूचीबद्ध कंपनियों में FII की औसत हिस्सेदारी Q1 FY27 में घटकर 15.8% रह गई थी, जो करीब 17 वर्षों का निचला स्तर बताया गया है।

असम में बाढ़ का कहर जारी... हाथ में चप्पल, सीने से लिपटी किताबें

असम में बाढ़ का कहर जारी है, जहां 14 जिलों के 1.6 लाख से अधिक लोग बेघर हो चुके हैं और 95 लोगों की जान जा चुकी है। उफनती नदियों और डूबते आशियानों के बीच जिंदगी बचाने की जंग जारी है। हाथ में चप्पल लिए और सीने से किताबें चिपकाए पानी में उतरती मासूम बच्चियों से लेकर बांस के बेड़े पर खड़े बेबस ग्रामीणों तक भयानक बाढ़ और इंसानी संघर्ष की बेहद मार्मिक तस्वीरें सामने आ रही है पिछले 24 घंटों के दौरान 6 और लोगों की जान चली गई।`

न्यूज विंडो

पंजाब के जालंधर में खड़े ट्रक में जा घुसी तेज रफ्तार कार, तीन की मौत

जालंधर। मकसूदां बाईपास हाईवे पर सुबह एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई ।हादसा इतना भयावह था कि तेज रफ्तार स्विफ्ट कार खड़े ट्रक से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी। टक्कर के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए ।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्विफ्ट कार काफी तेज रफ्तार से मकसूदां बाईपास हाईवे पर जा रही थी। इसी दौरान सड़क पर खड़े ट्रक से कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

बिहार में सड़क-पुल निर्माण के लिए 21000 करोड़ का कर्ज लेगी सरकार

पटना। सरकार सड़क एवं पुल निर्माण के लिए 21 हजार करोड़ रुपये राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से उधार लेगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में राशि के लिए पथ निर्माण विभाग ने शुक्रवार को नाबार्ड से मेमोरेंडर आफ अंडर स्टैंडिंग (एमओयू) किया ।लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल एवं नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी कृष्णन वी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ।इस कर्ज का इस्तेमाल तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा प्रगति यात्रा के दौरान सड़क व पुल की घोषणाओं के क्रियान्वयन पर होगा। सड़क व बुनियादी ढांचाओं के लिए उत्तर बिहार के लिए स्वीकृत योजनाओं की राशि 13,142 करोड़ है।

टला हादसा, भागीरथी नदी में गिरने से बाल-बाल बचा कांवड़ यात्रियों का वाहन

भटवाड़ी (उत्तरकाशी)। पापड़गाड़ में भू-धंसाव प्रभावित गंगोत्री हाईवे पर बड़ी दुर्घटना होने से टली। जानकारी के अनुसार कावड़ यात्रियों का एक पिकअप वाहन गंगोत्री धाम की ओर जल भरने जा रहा था, जो की भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र से गुजरने के दौरान अनियंत्रित होकर भागीरथी नदी की ओर फिसलने लगा ।गनीमत रही कि बड़े पत्थरों की वजह से वाहन नदी में गिरने से रुक गया, जिसे बाद में एक्सावेटर मशीन की मदद से खींच कर सड़क पर लाया गया। कांवड़ यात्रियों के डीजे, साउंड सिस्टम आदि से ओवरलोड वाहनों के चलते यहां हादसे का खतरा बना हुआ है ।बावजूद इसके ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

होर्मुज के पास दो धमाके, पेजेशकियन की अमेरिका को धमकी-

बातचीत जारी रहेगी, लेकिन हम आत्मसमर्पण नहीं करेंगे

तेहरान, एजेंसी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि उनका देश अपने अधिकारों की रक्षा के लिए बातचीत जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि तेहरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता ।पेजेशकियन ने ये बातें एक साक्षात्कार में कहीं। यह साक्षात्कार उनके कार्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित हुआ। उन्होंने ईरान सरकार के अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने और युद्ध खत्म करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने के फैसले का बचाव किया ।पेजेशकियन ने कहा, जब तक अमेरिका समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक ईरान भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाता रहेगा। उन्होंने आगे कहा, जहां भी वे (अमेरिकी पक्ष) अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने में विफल रहते हैं, वहां हमारी आगे अपनी प्रतिबद्धता निभाने की कोई जिम्मेदारी नहीं है।

इस सप्ताह की शुरुआत में पेजेशकियन ने उन अटकलों को खारिज किया था कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वह पूरी मजबूती के साथ अपना काम जारी रखेंगे। उनके ये बयान ईरान के नेतृत्व में समझौते को लेकर कथित 'मतभेद' की खबरों के बीच आए। जून में ईरान और अमेरिका ने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों को अंतिम समझौते पर पहुंचने के लिए 60 दिनों के अंदर बातचीत करनी थी।

देर रात धमाकों से गूंजा होर्मुज

इस बीच रात ईरान के दक्षिण में स्थित होर्मोजगान प्रांत के केश्म द्वीप पर दो धमाकों की आवाज सुनी गई। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ये धमाके होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश क्षेत्र में ईरानी सशस्त्र बलों और 'दुश्मन' के बीच हुई कार्रवाई के कारण हुए। तस्नीम ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाकों की आवाज देर रात सुनी

इराकी मिलिशिया संगठन ने जवाबी कार्रवाई टाली

उधर, ईरान समर्थक इराकी लड़ाकों के संगठन 'इस्लामी रेजिस्टेंस' ने कहा कि उसने अमेरिका और सऊदी अरब की सेनाओं के खिलाफ की जाने वाली जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया है। संगठन ने एक बयान में कहा कि यह फैसला शिया राजनेताओं की अपील के बाद लिया गया है। इस संगठन ने 29 जुलाई को अमेरिका और सऊदी अरब की संयुक्त हवाई कार्रवाई को लेकर इराक सरकार से कूटनीतिक या सुरक्षा के स्तर पर कड़ा कदम उठाने की मांग की थी। इस हवाई कार्रवाई में इराक के पॉपुलर मोबिलाइज़ेशन फोर्सेज (पीएमएफ) के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह मुख्य रूप से शिया लड़ाकों का गठबंधन है। हमलों में 20 लोगों की मौत हुई थी।

पीओके में हिंसा: यूएन की पाकिस्तान को लताड़

इस्लामाबाद, न्यूयार्क। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बिगड़ते सुरक्षा हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अगर कार्रवाई में उन्हें नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महासचिव ह मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि उनकी अपीलों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा।

फरहान हक ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'महासचिव अपने हाई कमिश्नर के काम का समर्थन करते हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि मिस्टर तुर्क की बातों पर ध्यान दिया जाएगा।' वह PoK में

मौजूदा सुरक्षा हालात और हाल की घटनाओं को लेकर महासचिव के रुख के बारे में पूछे गए PTI के सवाल का जवाब दे रहे थे।

पिछले महीने यूएन के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके में हुई हालिया घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत, पाकिस्तान की ओर से 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' पर प्रतिबंध लगाए जाने और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी।

इंटरनेट पर लगी पाबंदियां भी चिंता का कारण

यूएन की ओर से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार पर असर डालने वाली पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। इनमें इंटरनेट एक्सेस पर प्रतिबंध और सार्वजनिक रूप से लोगों के एकत्र होने पर लगाई गई पाबंदियां शामिल हैं ।जब हक से पूछा गया कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी, तो उन्होंने कहा, 'यह जरूरी है कि हर जगह अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति दें और निश्चित रूप से यहां भी ऐसा ही होना चाहिए। अगर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।'

ऋषभ पंत ने आधी रात सीएम धामी से लगाई जमीन दिलाने की गुहार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि इस बार वजह उनका बल्ला या मैदान पर उनका प्रदर्शन नहीं, बल्कि उत्तराखंड में जमीन लेने को लेकर की गई उनकी अपील और अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का जवाब है। पंत फिलहाल श्रीलंका इलेवन के खिलाफ कोलंबो में वार्म अप मैच खेल रहे हैं। इसके

आधी रात उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को टैग करते हुए राज्य में जमीन दिलाने की गुहार लगाई थी। पंत ने उत्तराखंड में अपना बेस बनाने और अपने राज्य के लिए काम करने की इच्छा जताई थी। उनकी अपील सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई थी। अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंत की अपील का जवाब देते हुए संबंधित अधिकारियों को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हरिद्वार तक बनेगा गंगा एक्सप्रेस-वे, बिजनौर से होकर जुड़ेगा यूपी का नया मार्ग, दोनों राज्यों की भूमिका तय

मेरठ, एजेंसी

गंगा एक्सप्रेसवे को हरिद्वार तक जोड़ने का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच समझौता ज्ञापन यानी एमओयू हो चुका है। इसमें दोनों राज्यों की जिम्मेदारियां स्पष्ट कर दी गई हैं। प्रस्तावित मार्ग बिजनौर से होते हुए हरिद्वार तक जाएगा और इसकी लंबाई करीब 30 किलोमीटर होगी।

गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के पास है। दोनों राज्यों के बीच पिछले महीने इस परियोजना को लेकर सहमति बनी थी।

उत्तराखंड पर नहीं होगा निर्माण का वित्तीय भार

समझौते के अनुसार हरिद्वार तक एक्सप्रेसवे के निर्माण का वित्तीय भार उत्तराखंड पर नहीं पड़ेगा। उत्तराखंड सरकार की ओर से भूमि अधिग्रहण और यूटिलिटी शिफ्टिंग में सहयोग किया जाएगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार परियोजना से जुड़े दोनों एमओयू पिछले महीने ही अंतिम रूप ले चुके थे। समझौते को कैबिनेट की मंजूरी भी मिल चुकी है ।हरिद्वार तक एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए प्रस्तावित मार्ग बिजनौर से होकर जाएगा। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच सड़क संपर्क और बेहतर होने की उम्मीद है। परियोजना को लेकर दोनों राज्यों के अधिकारियों के बीच कई दौर की बैठकें भी हो चुकी हैं। अब निर्माण से जुड़ी आगे की प्रक्रिया को गति मिलने की उम्मीद है।

मेट्रो एंकर फिर भी बेफिक्र भारत....विशेषज्ञ बोले- आतंक पर कार्रवाई नहीं रुकेगी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदली रणनीति, पाक की सऊदी-तुर्किये से दोस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

मक्का में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए संयुक्त रक्षा समझौते के बाद सवाल उठ रहे हैं कि किसी आतंकी हमले की सूरत में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की राह क्या भारत के लिए ज्यादा जटिल हो जाएगी। क्योंकि इस समझौते में यह प्रावधान किया गया है कि किसी भी देश के विरुद्ध हमला तीनों देशों के खिलाफ हमला माना जाएगा।

भारत ने कई बार दोहराया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, आतंकी हमला होने पर वह दोबारा कार्रवाई करेगा। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर में मात खाने के बाद एक तरफ जहां आतंकी तंजीमों में दहशत का माहौल है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तानी हुक्मरान और सेना प्रमुख दुनिया भर में घबराए हुए घूम रहे हैं। समझौते से साफ है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने अपनी सुरक्षा साझेदारियों का दायरा बढ़ाने की कोशिश की है। वह सऊदी अरब और तुर्किये जैसे इस्लामी देशों का इस्तेमाल अपनी रणनीतिक ढाल के रूप में करना चाहता है।

पाकिस्तान की रणनीतिक गहराई बेनकाब

समझौते पर सैन्य अभियानों के पूर्व महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल विनोद भाटिया में कहा कि इन समझौतों से यदि पाकिस्तान का हौसला बढ़ जाता है तो यह हमारे लिए अच्छी बात नहीं है। इससे भारत के लिए समस्याएं पैदा हो

सकती हैं। उन्होंने कहा कि किसी आतंकी हमले की सूरत में भारत के लिए ऑपरेशन सिंदूर 2.0 करना मुश्किल नहीं होगा। तुर्किये या सऊदी अरब अधिक से अधिक पाकिस्तान को नैतिक समर्थन दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की रणनीतिक गहराई बेनकाब कर दी थी, इसीलिए पाकिस्तान ऐसे रक्षा समझौतों की तलाश में है।

दूसरे की मदद से नहीं मिलती जीत

भूराजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा ने कहा, मुझे नहीं लगता तुर्किये और सऊदी अरब, भारत के खिलाफ आकर लड़ेंगे। तुर्किये इतनी दूर आकर नहीं लड़ सकता। तुर्किये और पाकिस्तान की माली हालत अच्छी नहीं है। दोनों का बस इतना स्वार्थ है कि सऊदी अरब से फंडिंग मिल जाए, जो आय का जरिया बने। सऊदी अरब की भारत पर काफी निर्भरता है, भारत उनके तेल का बड़ा खरीददार है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564